चैत्र कृष्ण - 8 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 234 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 22-03-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 युवा समृद्ध और विकसित भारत के निर्माण में समर्पण भाव से आएं आगे

6 क्या भविष्य में परस्पर संघर्ष का कारण बनेगा जल?

7 सिंगिंग डेब्यू पर मन्नारा चोपड़ा बोलीं, संगीत मेरे दिल के करीब

फर्स्ट टेक

बैंक कर्मचारी संगठनों ने दो-दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल टाली

नई दिल्ली/भाषा। बैंक कर्मचारी संगठनों ने शुक्रवार को वित्त मंत्रालय और आईबीए से अपनी मांगों पर सकारात्मक आश्वासन मिलने के बाद अपनी दो-दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल टाल दी। पूर्व-निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक, देशभर के बैंकों में सोमवार से दो-दिवसीय हड़ताल शुरू होनी थी। नौ बैंक कर्मचारी संघों के एकीकृत निकाय यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने 24-25 मार्च को हड़ताल का आह्वान किया था। बैंक कर्मचारी संगठनों की प्रमुख मांगों में कामकाजी सप्ताह को पांच दिनों का करना और सभी कर्मचारी संवर्गों में पर्याप्त भर्ती करना शामिल हैं। प्रस्तावित हड़ताल को टालने का फैसला मुख्य श्रम आयुक्त के समक्ष लिया गया, जिन्होंने सभी पक्षों को सुलह बैठक के लिए बुलाया था।

पनामा में 6.2 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किये गए

पनामा सिटी/एपी। पनामा के प्रशांत तट पर शुक्रवार को भूकंप के जबरदस्त झटके महसूस किये गये, लेकिन राजधानी में इसका अधिक प्रभाव नहीं दिखा। 'यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे' के अनुसार, भूकंप का केंद्र प्रशांत महासागर में बुरीका से लगभग 123 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व में था और इसकी तीव्रता 6.2 थी। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। राष्ट्रीय नागरिक रक्षा सेवा केंद्र ने कहा कि मध्य पनामा के कई प्रांतों में भी भूकंप के झटके महसूस किये गये, लेकिन किसी के घायल होने या क्षति की तत्काल कोई सूचना नहीं है।

पाकिस्तान ने आठ लाख से अधिक अफगानों को वापस भेजा

पेशावर/भाषा। पाकिस्तान में अवैध रूप से रह रहे अफगान नागरिकों की वापसी की प्रक्रिया लगातार जारी है और 20 मार्च तक आठ लाख से अधिक लोगों को उनके देश वापस भेजा जा चुका है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान सरकार ने 31 मार्च की समय-सीमा तय की है जिसके तहत अवैध रूप से रह रहे लोगों और अफगान नागरिक कार्ड धारकों को देश छोड़ना होगा। इसी के तहत अब तक 8,74,282 अफगानों को पाकिस्तान से वापस भेजा गया है। सरकार ने यह कदम आतंकवाद से जुड़ी चिंताओं के चलते उठाया है। अधिकारी ने आश्वासन दिया कि इस प्रक्रिया में किसी के साथ दुर्व्यवहार नहीं किया जाएगा।

गीता के कर्मयोग की वास्तविक प्रयोगशाला है एम्स : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान(एम्स) नई दिल्ली के चिकित्सा के हर क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान का उल्लेख करते हुए शुक्रवार को कहा कि यह गीता के कर्मयोग की वास्तविक प्रयोगशाला है।

श्रीमती मुर्मु ने संस्थान के दीक्षांत समारोह मे कहा कि यह एक ऐसा संस्थान है, जिसने स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा शिक्षा और जीवन विज्ञान अनुसंधान में उत्कृष्टता हासिल करके दुनिया भर में प्रतिष्ठा अर्जित की है। यह उन लाखों रोगियों के लिए आशा का प्रतीक है, जो अक्सर दूर-दूर से इलाज के लिए आते हैं। इसके संकाय, पैरामेडिक्स और गैर-चिकित्सा कर्मचारियों की मदद से वंचितों और विशेषाधिकार प्राप्त लोगों का समान समर्पण और सहानुभूति के साथ इलाज करते हैं। उन्होंने कहा कि यह कहा जा सकता है कि एम्स गीता के कर्म योग की चलती प्रयोगशाला है।

राष्ट्रपति ने कहा कि एम्स ने न केवल राष्ट्रीय बल्कि वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह एक गौरवपूर्ण मेड-इन-इंडिया सफलता की कहानी है और पूरे देश में अनुकरणीय मॉडल है। अपने अस्तित्व के 69 वर्षों में, ब्रांड एम्स मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के कारण समय की कसौटी पर खरा उतरा है। नवीन शोध और रोगी देखभाल के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा को आगे बढ़ाने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता वास्तव में सराहनीय है। श्रीमती मुर्मु ने एम्स द्वारा अपने सभी प्रयासों में सुशासन, पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए उठाए गए कदमों पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि किसी भी संगठन के स्वस्थ विकास के लिए सुशासन आवश्यक है और एम्स इसका अपवाद नहीं है। इसकी जिम्मेदारी स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और अनुसंधान से परे है। भावनात्मक स्वास्थ्य के मुद्दे पर बोलते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि यह आज की दुनिया में एक गंभीर चुनौती है। उन्होंने कहा कि किसी के लिए भी, खासकर युवा पीढ़ी के लिए निराशा की कोई गुंजाइश नहीं है।

राम मंदिर के लिए अगर सत्ता भी गंवानी पड़े तो कोई समस्या नहीं : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि राम मंदिर के लिए अगर सत्ता भी गंवानी पड़े तो कोई समस्या नहीं है।

योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अयोध्या में साहित्य महोत्सव की शुरुआत करने के बाद अपने संबोधन में 2017 में मुख्यमंत्री बनने के बाद अयोध्या के विकास और राम मंदिर के प्रति अपनी आस्था का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि उनकी तीन पीढ़ियां (गोरक्षपीठ के दिवंगत महंत दिग्विजय नाथ, ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ, स्वयं योगी आदित्यनाथ) राम जन्मभूमि आंदोलन के लिए समर्पित थीं। उन्होंने एक प्रसंग सुनाते हुए कहा, ''मुझे कोई समस्या नहीं थी, लेकिन... नौकरशाही में एक बड़ा वर्ग ऐसा था जो कहता था कि अयोध्या जाने में भी विवाद खड़ा होगा...मैंने कहा कि विवाद खड़ा होता है, हो लेकिन अयोध्या के बारे में भी सोचने की जरूरत है।'' उन्होंने कहा, ''एक वर्ग ऐसा था जिसने कहा कि आप जाएंगे तो फिर राम मंदिर की बात होगी, मैंने कहा कौन हम सत्ता के लिए आए हैं। राम मंदिर के लिए अगर सत्ता भी गंवानी पड़े तो कोई समस्या नहीं है।''

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ आजीविका का भी बन रही आधार

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि आस्था की वजह से अयोध्या में देश और दुनिया से उमड़ रही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ आजीविका का भी आधार बन रही है। उन्होंने कहा, ''देश और दुनिया से आने वाले श्रद्धालु अयोध्या को देखने के लिए उत्सुक हैं। आज भी यहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ है। यह केवल आस्था नहीं है, यह आजीविका का भी आधार बन रही है। यह विरासत विकास का आधार बन रही है।''

मणिपुर के राहत शिविर में नौ वर्षीय बच्ची मृत मिली, दुष्कर्म की आशंका

चुराचांदपुर/भाषा। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले के एक राहत शिविर में शुक्रवार तड़के नौ वर्षीय बच्ची मृत पाई गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बच्ची शाम से लापता थी और उसके परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। उन्होंने बताया कि बच्ची का शव रात में राहत शिविर परिसर में मिला जिसके बाद प्रशासन को सूचित किया गया।

न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास से 'बड़ी मात्रा में नकदी बरामद'

वकीलों ने तबादला करने पर उठाया सवाल, इस्तीफे की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आधिकारिक आवास से कथित तौर पर बड़ी मात्रा में नकदी मिलने के बाद विधि विशेषज्ञों ने इसपर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और उनका कथित तौर पर तबादला करने के कॉलेजियम के फैसले पर सवाल उठाते हुए उनके इस्तीफे की मांग की है।

वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने मामले को 'बहुत गंभीर' बताते हुए कहा कि न्यायाधीश को इस्तीफा देने के लिए कहा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक न्यायाधीश से 'पूरी तरह ईमानदार' होने की अपेक्षा की जाती है और यह एक ऐसा पेशा है, जिसमें इसे (भ्रष्टाचार को) बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिये। सिंह ने कहा, ''मुझे लगता है कि इस तरह के मामले में तबादला कोई समाधान नहीं है। उनसे इस्तीफा देने को कहा जाना चाहिए।''

वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने कहा कि उच्चतम न्यायालय को आंतरिक जांच करानी चाहिए और न्यायाधीश को अपनी बात कहने का अवसर देकर सभी तथ्यों का पता लगाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''न्यायाधीश की प्रतिष्ठा है, इसलिए उन्हें बरामदगी के बारे में स्पष्टीकरण देना चाहिए। यह ऐसा मामला नहीं है, जिसे दबाया जा सके।''

वरिष्ठ अधिवक्ता एवं सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के अध्यक्ष कपिल सिब्बल ने न्यायमूर्ति वर्मा के मामले पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि ''न्यायपालिका के भीतर भ्रष्टाचार का मुद्दा बहुत गंभीर है''। उन्होंने कहा कि यह कोई पहली बार नहीं है, जब देश के वरिष्ठ अधिवक्ताओं और वकीलों ने ऐसी बात कही हो।

अगले साल 31 मार्च तक देश नक्सलवाद से मुक्त होगा : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को राज्यसभा में जोर दिया कि अगले साल 31 मार्च तक देश से नक्सलवाद को समाप्त कर दिया जाएगा। उन्होंने गृह मंत्रालय के कामकाज पर राज्यसभा में हुयी चर्चा का जवाब देते हुए कहा, ''मोदी सरकार के 10 वर्षों का परिश्रम, बारीक आयोजन, विकास की भूख, सुनियोजित योजना और संसाधनों के सही आवंटन के आधार पर मैं कहता हूं कि 31 मार्च 2026 तक इस देश से नक्सलवाद समाप्त कर दिया जाएगा।''

गृह मंत्री शाह ने कहा, ''संवाद, सुरक्षा और समन्वय के

तीन सिद्धांतों को अपनाकर हमने नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। हमने नवीनतम प्रौद्योगिकी के साथ नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई की शुरुआत की। लोकेशन ट्रैकिंग, मोबाइल फोन की गतिविधियां, सोशल मीडिया गतिविधियों की समीक्षा, इनकी कूरियर सर्विस का रेखांकन और उनके परिवारों की आवाजाही का रेखांकन... इन सभी को एकत्र कर हमने सुरक्षा बलों को सूचना से लैस किया।''

उन्होंने कहा कि 2004 से 2014 तक कांग्रेस की सरकार थी, उस दौरान 16,463 नक्सली हिंसा की घटनाएं हुई थीं और अब इसमें 53 प्रतिशत की कमी आई है।

अब कोई विस्फोट करने की हिम्मत नहीं कर सकता

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में शुक्रवार को कहा कि अब कोई भी व्यक्ति विस्फोट करके भागने की हिम्मत नहीं कर सकता, जैसा कि देश में पहले हुआ करता था। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित है। गृह मंत्रालय के कामकाज पर उच्च सदन में हुई चर्चा का जवाब दे रहे शाह ने कहा कि देश में पहले अक्सर विस्फोट होते थे। उन्होंने कहा कि 2008 में मुंबई में आतंकवादी हमला हुआ था। ''लेकिन पिछली सरकारों में आतंकवादियों के खिलाफ वैसी कठोर कार्रवाई नहीं की जाती थी जैसी होनी चाहिए थी।'' उन्होंने राज्यसभा में कहा, ''एक समय था जब बम विस्फोट होना आम बात थी। मैं देश के लोगों को बताना चाहता हूं कि पिछले 10 वर्षों से बम विस्फोटों का सिलसिला बंद हो गया है। अब कोई भी व्यक्ति बम विस्फोट करने की हिम्मत नहीं कर सकता। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित है। हम आतंकवाद को जड़ से उखाड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

भारत को 'फूड बास्केट' बनाया जाएगा, किसानों को डिजिटल पहचान पत्र देंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को लोकसभा में किसान कल्याण की प्रतिबद्धता जताते हुए कहा कि भारत को विश्व का ''फूड बास्केट'' बनाया जाएगा और डिजिटल क्रांति का लाभ किसानों को पहुंचाने के लिए सभी कृषकों को एक डिजिटल पहचान पत्र दिया जाएगा।

विपक्षी सदस्यों के शोरगुल के बीच उन्होंने कहा कि आलोचनाओं का स्वागत है लेकिन क्या आलोचना केवल आलोचना करने के लिए की जाएगी और क्या तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया जाएगा। मंत्री के जवाब के बाद, सदन ने विपक्ष के कुछ सदस्यों के कटौती प्रस्तावों को खारिज करते हुए कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदानों की मांगों को ध्वनिमत से पारित कर दिया।

इससे पहले चौहान ने अपने जवाब में कहा, ''किसान अन्न दाता हैं और अन्न दाता जीवन दाता होते हैं। किसानों की सेवा हमारे लिए भगवान से बढ़ कर है। हम इसमें कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।'' उन्होंने कहा, ''माननीय सदस्यों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि जो भी सकारात्मक सुझाव दिये गए हैं, कृषि मंत्री होने के नाते उनपर मैं गंभीरता पूर्वक विचार करूंगा।''

चौहान ने कहा, ''मैं सोचता था कि विपक्ष सार्थक चर्चा करेगा, किसानों की उन्हें चिंता होगी लेकिन पूरी बहस के दौरान खोदा पहाड़ निकली मरी हुई चूहिया।''

22-03-2025 सूर्यास्त 6:30 बजे	23-03-2025 सूर्योदय 6:21 बजे
BSE 76,905.51 (+557.45)	NSE 23,350.40 (+159.75)
सोना 9,267 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 104,042 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

क्या खुदा...

क्या खुदा खुश होता है,
किसी के बेदखल होने पर।
क्या वह नाराज होता है,
इबादत में खलल होने पर।
क्या उदास होता है कभी,
आपस में टसल होने पर।
हां, कराहता जरूर है,
इंसानियत कत्ल होने पर।।

मस्क के व्यापारिक हितों को लेकर चिंतित ट्रंप

युद्ध की योजनाएं साझा न करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि युद्ध की योजनाओं को उनके सलाहकार एलन मस्क के साथ उनके व्यापारिक हितों के कारण साझा नहीं किया जाना चाहिए। ट्रंप के इस बयान को प्रशासन में अरबपति उद्यमी की व्यापक भूमिका को सीमित करने के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

ट्रंप ने यह टिप्पणी ओवल ऑफिस (राष्ट्रपति कार्यालय) में एक नये लड़ाकू विमान के विकास पर आयोजित बैठक के दौरान की। उन्होंने उन खबरों को खारिज कर दिया कि मस्क को यह बताया जाएगा कि अमेरिका चीन के साथ परिकल्पित युद्ध कैसे लड़ेगा।

रिपब्लिकन पार्टी से जुड़े राष्ट्रपति ने कहा, ''एलन का चीन में कारोबार है। और शायद वह इसके लिए अतिसंवेदनशील होंगे।''

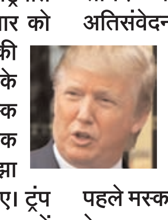

हालांकि, उन्होंने मस्क की राष्ट्रभक्ति की सराहना की।

ट्रंप ने इससे पहले मस्क के संभावित हितों के टकराव के बारे में पूछे गए सवालों को यह कहते हुए टाल दिया था कि जब आवश्यक होगा, तब वह इन सवालों के जवाब देंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि मस्क ने शुक्रवार सुबह लागत कम करने पर चर्चा करने के लिए पेंटागन (अमेरिकी रक्षा विभाग का मुख्यालय) का दौरा किया, जिस पर वह सरकारी दक्षता विभाग के माध्यम से काम कर रहे हैं।

जय बिहार **बिहार स्थापना दिवस (22 मार्च 2025)** जय बिहारी

ज्ञान, स्वाभिमान, परिश्रम, बुद्ध, सम्राट अशोक, महावीर,गुरु गोविंदसिंह की भूमि बिहार के 113 वें स्थापना दिवस की समस्त बिहारवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

राजेंद्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट एवं श्री सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद के तत्वावधान में
बिहार स्थापना दिवस समारोह

हार्दिक आमंत्रण
शनिवार, 22.3.2025, शाम 4 बजे से
स्थल : पैलेस ग्राउंड, गेट नं. 5, बेंगलूरु

आमंत्रित अतिथिगण

श्री विवेकजी ठाकुर — माननीय सांसद नवादा - बिहार
श्री विजयेंद्रजी येडीयुरप्पा — माननीय विधायक व कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष
सुश्री शोभा करंदलाजे — माननीय केन्द्रीय राज्य मंत्री भारत सरकार

नोट : कर्नाटक में निवासित सभी बिहारी प्रवासियों को कार्यक्रम में शामिल होने का हार्दिक निमंत्रण है।

एस.के. उपाध्याय - अध्यक्ष
हरिश्चन्द्र झा
डॉ आशुतोषकुमार
कार्यक्रम संयोजक

शुभकामनाओं सहित राजेंद्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट एवं श्री सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद, बिहार भवन, बेंगलूरु एवं बिहार से संबंधित समस्त सभा संस्थाएं, बेंगलूरु

पंडित राजगुरु - सचिव
उदयकुमार
सत्री राज
कार्यक्रम अध्यक्ष

कर्नाटक में चार फीसदी आरक्षण जनसंख्या के आधार पर, तुष्टिकरण नहीं : विधायक एन हैरिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के कांग्रेस विधायक एन. हैरिस ने गुरुवार को बिजली की कीमतों में वृद्धि, सरकारी ठेकों में मुस्लिम कॉन्ट्रैक्टरों के लिए चार फीसदी आरक्षण, वक्फ संशोधन विधेयक और मुख्यमंत्री की हेलीकॉप्टर यात्रा जैसे मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखी। बिजली की कीमतों में वृद्धि को लेकर एन. हैरिस ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से कहा कि जब भाजपा सत्ता में थी, तो इस तरह के कदम की सिफारिश की गई थी। भाजपा के समय में भी यह कदम उठाने की सिफारिश की गई थी। अब तक कितनी बार बिजली की कीमतें बढ़ाई गई हैं? यह एक नियमित प्रक्रिया है जिसमें मूल्यांकन किया जाता है। लेकिन आम जनता पर इसका कोई असर नहीं होना चाहिए। यह एक सिस्टम है, व्यक्तिगत रूप से मुझे नहीं लगता कि कीमतों में वृद्धि होनी चाहिए क्योंकि इससे जनता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। राज्य सरकार के ठेकों में मुस्लिम समुदाय के ठेकेदारों को चार फीसदी आरक्षण देने के मुद्दे पर हैरिस ने कहा कि यह आरक्षण जनसंख्या के आधार पर दिया गया है। भाजपा कह सकती है कि यह तुष्टिकरण है, लेकिन यह तुष्टिकरण तब क्यों नहीं होता जब इसे दूसरों के लिए किया जाता है? भाजपा का उद्देश्य सिर्फ समाज को विभाजित करना और तोड़ना है। प्रदेश को बेहतर बनाने के लिए कांग्रेस जो कुछ भी कर सकती है, वह करेगी।

वक्फ संशोधन विधेयक पर कांग्रेस विधायक ने असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस विधेयक से खुश नहीं है। कांग्रेस विधायक ने कहा, हम वक्फ संशोधन विधेयक से खुश नहीं हैं, लेकिन हमें जो भी हासिल हुआ है, उससे हम संतुष्ट हैं। इस विधेयक में कई महत्वपूर्ण बातें हैं, यह सिर्फ एक मुद्दा नहीं है। हम सभी ने स्वतंत्रता संग्राम से पहले कई समझौतों पर सहमति जताई थी। हम संविधान के खिलाफ नहीं जा सकते। हर किसी को अपनी राय रखने का अधिकार है। मुख्यमंत्री की हेलीकॉप्टर यात्रा को लेकर सवाल किए जाने पर एन. हैरिस ने कहा कि इस तरह की अनावश्यक टिप्पणियां नहीं की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री को यात्रा करनी होती है, इसलिए नवीनतम प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाता है।

सौरभ भारद्वाज 'आप' की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष, मनीष सिसोदिया पार्टी के पंजाब मामलों के प्रभारी नियुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पिछले महीने विधानसभा चुनाव में अपने गढ़ दिल्ली में हार जाने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) ने शुक्रवार को संगठनात्मक फेरबदल की घोषणा करते हुए पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज को अपनी दिल्ली इकाई का नया अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया को पंजाब के पार्टी मामलों का प्रभारी नियुक्त किया।

भारद्वाज ने गोपाल राय का स्थान लिया है, जबकि सिसोदिया ने पंजाब का प्रभार संभाला है। पंजाब देश का एकमात्र राज्य है जहां वर्तमान में आम आदमी पार्टी (आप) सत्ता में है। ये निर्णय 'आप' प्रमुख अरविंद केजरीवाल के आवास पर पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) की बैठक के दौरान लिए गए।

बदलावों की घोषणा करते हुए 'आप' महासचिव (संगठन) संदीप पाठक ने कहा कि गोपाल राय को गुजरात का प्रभार दिया गया है, जहां पार्टी अपना आधार बढ़ाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। राज्यसभा सदस्य पाठक को आप के छत्तीसगढ़ मामलों का प्रभारी नियुक्त किया गया है, जबकि पंकज गुप्ता पार्टी की गोवा इकाई की अगुवाई करेंगे। पंजाब, गुजरात और गोवा में दो साल के भीतर विधानसभा चुनाव होंगे।

'आप' ने मेहराज मलिक को पार्टी की जम्मू कश्मीर इकाई का प्रमुख बनाया है। पार्टी ने राज्य इकाइयों के लिए सह-प्रभारी भी नियुक्त किए हैं, जिनमें पंजाब के लिए सत्येंद्र जैन, गुजरात के लिए दुर्गेश पाठक और गोवा के लिए अंकुश नारंग, आभाष चंदेला और दीपक सिंघला का नाम शामिल है।

भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप को करीब 43.5 प्रतिशत वोट मिले, जो भाजपा से सिर्फ दो प्रतिशत कम है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''इन परिस्थितियों में भी आधी दिल्ली ने आम आदमी पार्टी को वोट दिया।'' आप की दिल्ली इकाई के नए अध्यक्ष भारद्वाज ने कहा , ''हम पार्टी को मजबूत करेंगे और संगठन का विस्तार करेंगे।''सिसोदिया ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में केजरीवाल और पार्टी नेतृत्व को पंजाब के प्रभारी के रूप में काम करने की जिम्मेदारी देने के लिए धन्यवाद दिया। सिसोदिया ने कहा, ''मेरा प्रयास होगा कि आप के सभी नेता, कार्यकर्ता और सरकार, भगवंत मान जी के नेतृत्व में मिलकर पंजाब के लोगों की उम्मीदों को पूरा करें और उनके भरोसे पर खरा उतरें।''

दिल्ली सरकार के अधिकारी पिछले 10 वर्षों में 'मोटी चमड़ी' वाले हो गए हैं : वर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली सरकार के अधिकारी पिछले 10 वर्षों में 'मोटी चमड़ी' वाले हो गए हैं और चर्बी कम करने के लिए उन्हें सड़कों पर उतरकर पसीना बहाना पड़ेगा। उन्होंने अक्षरधाम क्षेत्र में एक नाले की सफाई ठीक से नहीं करने को लेकर एक कार्यकारी अभियंता को निलंबित करने का आदेश दिया।

मंत्री की यह टिप्पणी विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता द्वारा मुख्य सचिव धर्मेंद्र को लिखे पत्र के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने दिल्ली सरकार के अधिकारियों पर विधायकों के पत्रों, फोन कॉल या संदेशों का जवाब नहीं देने का आरोप लगाया था।

वर्मा ने शुक्रवार को क्षेत्र के दौरे के दौरान कहा, ''समस्याएं हर जगह हैं। लेकिन हम कड़ी मेहनत करने और अधिकारियों से अपना काम करवाने के लिए दृढ़ संकल्प हैं।'' उन्होंने कहा, ''दिल्ली में पूरी व्यवस्था चरमराने के कगार पर थी। लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार अब सड़कों पर उतर आई है और मंत्री घंटों क्षेत्रों में जाकर स्थिति का मुआयना कर रहे हैं। अधिकारियों को सख्त निर्देश भी दिए गए हैं कि किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।''

वर्मा ने दावा किया कि पिछले 10 वर्षों (आम आदमी पार्टी के शासन) में सरकारी अधिकारी ''मोटी चमड़ी वाले'' हो गए हैं। उन्होंने कहा, ''जिस तरह हम क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं, अधिकारियों को भी अपनी चर्बी कम करने के लिए ऐसा ही करना होगा। उन्हें सार्वजनिक कोष से वेतन दिया जाता है और उन्हें लोगों के लिए काम करना ही होगा।''

पटपड़गंज में अक्षरधाम मंदिर के निकट नाले की सफाई का काम न होने पर नाराजगी जताते हुए वर्मा ने पीडब्ल्यूडी के कार्यकारी अभियंता रामाशीष सिंह को निलंबित करने का आदेश दिया।

मंत्री ने यह भी कहा कि नालों के माध्यम से यमुना में बहने वाले सीवेज के पानी का शोधन करने की क्षमता बढ़ाई जा रही है।

वर्मा ने कहा, ''मैंने हरियाणा और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्रियों से वहां के नालों से यमुना में गिरने वाले औद्योगिक अपशिष्ट जल के शोधन के लिए बात की है।''

कोर्ट के आदेश के अनुसार मो. समीर का वीडियो हटा दिया गया

बेंगलूरु। श्री क्षेत्र धर्मस्थल के धर्माधिकारी डॉ. डी. वीरेंद्र हेगड़े और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ अपमानजनक वीडियो शेयर करने वाले यूट्यूबर समीर एमडी के खिलाफ कोर्ट ने आदेश जारी किया है। समीर ने अपने यूट्यूब चैनल पर जो वीडियो शेयर किया था, उसे प्रधान सिटी सिविल कोर्ट के आदेश के अनुसार हटा दिया है। इससे पहले, न्यायमूर्ति आर. देवदास की अध्यक्षता वाली कर्नाटक उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने आदेश दिया था कि महेश शेट्टी टिमरोडी और उनके अनुयायियों को श्री क्षेत्र धर्मस्थल, धर्माधिकारियों, परिवार के सदस्यों और धर्मस्थल से संबंधित संगठन के बारे में अपमानजनक बयान नहीं देना चाहिए।

मेन सिटी सिविल कोर्ट में यूट्यूबर समीर के खिलाफ पहले से ही एक अनिवार्य निरोधक आदेश है, जो उन्हें श्री क्षेत्र धर्मस्थल, धर्माधिकारियों, उनके परिवार के सदस्यों और धर्मस्थल से संबंधित किसी भी संगठन के खिलाफ अपमानजनक बयान देने या प्रचार वीडियो बनाने से रोकता है। इसके अलावा, समीर का वीडियो अन्य यूट्यूब चैनलों द्वारा भी शेयर किया गया था, और अदालत ने उन्हें भी हटाने का आदेश दिया है। न्यायालय के आदेश के बाद भी समीर एमडी ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक और वीडियो अपलोड किया। श्रीक्षेत्र धर्मस्थल, धर्माधिकारियों, उनके परिवार के सदस्यों और धर्मस्थल से संबंधित संगठनों के खिलाफ अपमानजनक और अपमानजनक बयानों वाली कोई भी रिपोर्ट और सामग्री सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड न करें।

संसद में कर्नाटक में रेल परियोजनाओं पर मंत्री ने दिया जवाब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईए), बेंगलूरु तक सस्ती सार्वजनिक परिवहन पहुँच और कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए चल रहे प्रयासों के बारे में सांसद जग्गेश द्वारा उठाए गए प्रश्न का उत्तर देते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईए), बेंगलूरु तक सस्ती सार्वजनिक परिवहन पहुँच और कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए चल रहे प्रयासों के बारे में जवाब दिया।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में, बेंगलूरु कैंट और यशवंतपुर रेलवे स्टेशन से सुबह 05:10 बजे से 19:23 बजे के बीच चलने वाली छह जोड़ी मेमू ट्रेन सेवाओं द्वारा केआईए स्टेशन से जुड़े हुए हैं। ट्रेन सेवाओं का विस्तार एक सतत प्रक्रिया है, जो यातायात की मांग, व्यवहार्यता और संसाधन उपलब्धता के अधीन है। कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाने के लिए, बेंगलूरु उपनगरीय रेल परियोजना (बीएसआरपी) को मंजूरी दी गई है, जिसे कर्नाटक सरकार और रेल मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से वित्त पोषित किया गया है। रेल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंपनी (कर्नाटक) लिमिटेड (केआरआईडीई) द्वारा क्रियान्वित इस परियोजना में चार गलियारे केएसआर बेंगलूरु सिटी-देवनहल्ली केंगेरी-व्हाइटफील्ड (35.52 किमी) और हीलालिगे-राजनकुंटे शामिल हैं। इससे शहर के कई स्थानों से दोनों हवाईअड्डा टर्मिनलों (टर्मिनल 1 और 2) तक सीधी उपनगरीय ट्रेन पहुंच उपलब्ध होगी, साथ ही प्रमुख बिंदुओं पर भारतीय रेलवे और नम्मा मेट्रो के लिए इंटरचेंज सुविधाएं भी होंगी। परियोजना का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिसमें भूमि अधिग्रहण, पर्यावरण मंजूरी और बुनियादी ढांचे का स्थानांतरण शामिल है।

चिकबानावर-हासन विद्युतीकरण के संबंध में सांसद नारायण कोरगप्पा द्वारा उठाए गए प्रश्न का उत्तर देते रेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि 188 करोड़ रुपये की स्वीकृत लागत से 165 किलोमीटर लंबी चिकबानावर - हासन (एचएएस) रेलवे लाइन का विद्युतीकरण पूरा हो गया है। इस परियोजना के लिए 2025-26 वित्तीय वर्ष में 5 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। श्रवणबेलगोला ट्रैक्शन सब-स्टेशन के लिए ट्रांसमिशन लाइन कर्नाटक पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (केपीटीसीएल) से मंजूरी के लिए लंबित है। मंत्रालय कर्नाटक सरकार से सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए मंजूरी प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह करता है। इसके अलावा, ओवरहेड उपकरण (ओएचई) का उन्नयन एक सतत प्रक्रिया है, जो परिचालन और यातायात आवश्यकताओं के आधार पर की जाती है। इस खंड का विद्युतीकरण क्षेत्र में रेलवे की दक्षता और स्थिरता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

'डबल इंजन' वाले राज्यों में अपराधों की संख्या अधिक : आप नेता संजय सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में शुक्रवार को आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने दावा किया कि 'डबल इंजन की सरकारों वाले' राज्यों में अन्य प्रदेशों की अपेक्षा अपराध की घटनाएं बहुत बढ़ गयी हैं इसलिए केंद्रीय गृह मंत्रालय की दोगुनी जिम्मेदारी और जवाबदेही बनती है। गृह मंत्रालय के कामकाज पर उच्च सदन में हुयी चर्चा में भाग लेते हुए संजय सिंह ने कहा कि आज देश के अधिकतर राज्यों में 'डबल इंजन' की सरकार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जहां भी जाते हैं, लोगों से कहते हैं कि वे 'डबल इंजन' की सरकार बनाएं।

सिंह ने कहा कि इसलिए देश में सुरक्षा के बारे में केंद्रीय गृह मंत्रालय की दोगुनी जिम्मेदारी और जवाबदेही है। उन्होंने राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 'डबल इंजन की सरकार' वाले राज्यों में होने वाले अपराधों की संख्या की तुलना उन राज्यों से करके देख लीजिए जहां ऐसी सरकारें नहीं हैं। उन्होंने कहा कि इस तुलना से पता चल जाएगा कि अपराध कहां अधिक होते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब में आज आम आदमी पार्टी की सरकार है और वहां के अपराध आंकड़ों की तुलना हरियाणा से कर लीजिए जहां की आबादी पंजाब से कम है किंतु फिर भी अपराध अधिक होते हैं।

सिंह ने कहा कि दिल्ली में सुरक्षा का दायित्व गृह मंत्रालय के तहत आता है और यह 'अपराधों का गढ़' बन गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली जहां राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और सारे सांसद रहते हैं, उसकी सुरक्षा केंद्र सरकार से नहीं संभल रही है।

एयर इंडिया की हीथ्रो से संचालित कई उड़ानें प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/ लंदन/भाषा। एयर इंडिया ने शुक्रवार को कहा कि लंदन स्थित हीथ्रो हवाई अड्डे पर परिचालन अस्थायी रूप से बंद होने से उसकी कई उड़ानें बाधित हो गई हैं जबकि कुछ उड़ानों को निरस्त करना पड़ा है। बिजली समस्या की वजह से लंदन हीथ्रो (एलएचआर) में परिचालन 21 मार्च को रात 11 बजकर 59 मिनट तक निलंबित कर दिया गया है।

एयर इंडिया के अलावा इस हवाई अड्डे से ब्रिटिश एयरवेज और वर्जिन अटलांटिक भी विभिन्न भारतीय शहरों के लिए रोजाना उड़ानों का संचालन करती हैं। एयर इंडिया ने एक बयान में कहा, मुंबई से लंदन हीथ्रो जाने वाली एआई129 उड़ान मुंबई लौट रही है जबकि दिल्ली से एआई161 फ्रैंकफर्ट की तरफ जा रही है। इसके साथ लंदन हीथ्रो से आने-जाने वाली हमारी सभी शेष उड़ानें 21 मार्च के लिए रद्द कर दी गई हैं। एयर इंडिया ने यह भी कहा कि लंदन गैटविक के लिए उसकी उड़ानें अप्रभावित रहेंगी। ब्रिटिश एयरवेज के पास भारत और एलएचआर के बीच प्रतिदिन आठ उड़ानें हैं जबकि वर्जिन अटलांटिक के पास दिल्ली, मुंबई और बेंगलूरु से एलएचआर के लिए प्रतिदिन पांच उड़ानें हैं। विमानन विश्लेषण फर्म सिरियम ने कहा कि लगभग 1,45,000 से अधिक यात्री इस घटना की वजह से प्रभावित हो सकते हैं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 30.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 654.271 अरब डॉलर पर

मुंबई/भाषा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 14 मार्च को समाप्त सप्ताह में 30.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 654.271 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

इसके एक सप्ताह पहले देश का विदेशी मुद्रा भंडार 15.267 अरब डॉलर बढ़कर 653.966 अरब डॉलर हो गया था। यह दो वर्षों में किसी एक सप्ताह में आया सबसे तेज उछाल था।

इस उछाल का श्रेय 28 फरवरी को केंद्रीय बैंक द्वारा किए गए 10 अरब डॉलर के विदेशी मुद्रा विनिमय को दिया गया।

रुपए में उतार-चढ़ाव को कम करने में मदद के लिए आरबीआई द्वारा विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप के साथ-साथ पुनर्मूल्यांकन के कारण हाल ही में विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट का रुख रहा है। सितंबर 2024 के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.88 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

भाजपा नीत केंद्र सरकार ने किसानों के साथ 'विश्वासघात' किया : चन्नी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने शुक्रवार को भाजपा नीत केंद्र सरकार पर किसानों के साथ ''विश्वासघात'' करने का आरोप लगाया और कहा कि वह न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर अपना वादा पूरा करने में विफल रही है।

पंजाब पुलिस द्वारा सरवन सिंह पंधेर और जगजीत सिंह डल्लेवाल सहित कई किसान नेताओं को हिरासत में लिये जाने के बाद उन्होंने केंद्र पर यह आरोप लगाया। लोकसभा में कृषि मंत्रालय के लिए अनुदानों की मांगों पर चर्चा के दौरान चन्नी ने कहा, ''यह (केंद्र) सरकार आज किसानों के आंदोलन को दबा रही है। यह पंजाब सरकार के साथ मिल कर किसानों के साथ खिलवाड़ कर रही है।'' सरकार ने प्रदर्शनकारी किसान नेताओं से बातचीत का वादा करते हुए डल्लेवाल से भूख हड़ताल खत्म करने को कहा था। कांग्रेस सांसद ने कहा, ''लेकिन जब वे (किसान नेता) बैठकें कर रहे थे, पुलिस आंदोलन को खत्म करने की तैयारी कर रही थी। रात के अंधेरे में जाकर (आंदोलनकारी) किसानों को उठा दिया। जब किसान को विश्वास में लेकर ऐसा किया जाएगा तो कैसे चलेगा।'' चन्नी ने कहा, ''दिल्ली में कुछ साल पहले हुए किसान आंदोलन में 750 किसान शहीद हो गए। सरकार ने पहले किसानों से वादा किया था कि उन्हें एमएसपी दिया जाएगा और उनकी मांगें पूरी की जाएंगी। लेकिन कुछ नहीं हुआ। जब किसानों ने अपना आंदोलन फिर शुरू किया, तो उन्हें दिल्ली कूच करने से रोक दिया गया।''

भारत का कोयला उत्पादन एक अरब टन के पार, पीएम ने इसे ''देश के लिए गौरव का क्षण'' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में एक अरब टन कोयला उत्पादन का रिकॉर्ड आंकड़ा पार कर लिया है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस उपलब्धि को देश के लिए गौरव का क्षण बताते हुए कहा कि यह ऊर्जा सुरक्षा तथा आत्मनिर्भरता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कोयले का उपयोग मुख्य रूप से बिजली उत्पादन के साथ-साथ कई उद्योगों में ईंधन के रूप में किया जाता है। यह विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के लिए मुख्य ऊर्जा स्रोत है। भारत ने 2023-24 (अप्रैल 2023 से मार्च 2024) में 99.783 करोड़ टन कोयला उत्पादन किया। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, चालू वित्त वर्ष में एक अरब टन कोयला उत्पादन '' भारत के लिए गर्व का क्षण।'' उन्होंने कहा, '' एक अरब टन कोयला उत्पादन का ऐतिहासिक आंकड़ा पार करना एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, जो ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक वृद्धि और आत्मनिर्भरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।'' मोदी ने कहा कि यह उपलब्धि इस क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों की लगन और कड़ी मेहनत को भी दर्शाती है।

प्रधानमंत्री ने केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी के सोशल मीडिया 'पोस्ट' पर टिप्पणी करते हुए यह बात की। रेड्डी ने ही इस उपलब्धि की घोषणा करते हुए लिखा '' यह उपलब्धि हमारी बढ़ती हुई बिजली मांग को पूरा करेगी, आर्थिक वृद्धि को गति देगी तथा प्रत्येक भारतीय के लिए उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करेगी।''

कोयला मंत्रालय की कार्ययोजना वित्त वर्ष 2024-25 के अनुसार, चालू वित्त वर्ष के लिए कोयला उत्पादन/उठान लक्ष्य 108 करोड़ टन है।

व्यापार समझौते के मसौदे पर अमेरिका के साथ बातचीत जारी : भारत

नई दिल्ली/भाषा। सीमा शुल्क घोषणा से उपजे हालात के बीच भारत ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका के साथ एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते की रूपरेखा बनाने के लिए बातचीत जारी है जो शुल्क और बाजार पहुंच से जुड़े मुद्दों को हल करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत से आयात होने वाले उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगाने की समयसीमा खत्म होने में सिर्फ 11 दिन रह गए हैं। ट्रंप ने दो अप्रैल से जवाबी शुल्क की व्यवस्था लागू हो जाने की बात दोहराई है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत एक पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते पर पहुंचने के लिए ''विभिन्न स्तरों'' पर अमेरिकी प्रशासन के साथ संपर्क में है। हालांकि, उन्होंने सीधे तौर पर इन सवालों का जवाब नहीं दिया कि क्या भारत ट्रंप के जवाबी शुल्क से किसी तरह की छूट की उम्मीद कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने बुधवार को ऐसे संकेत दिए थे कि अमेरिका नई शुल्क व्यवस्था से भारत को कोई छूट नहीं देगा। ट्रंप ने कहा था कि उनका भारत के साथ बहुत अच्छा संबंध है, लेकिन भारत की शुल्क संरचना के साथ ''समस्या'' है। जायसवाल ने कहा, ''भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया में हैं।''

लोकसभा में भी कई सदस्य 'ओवरवेट' हैं, साल में एक बार स्वास्थ्य जांच जरूर कराएं : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

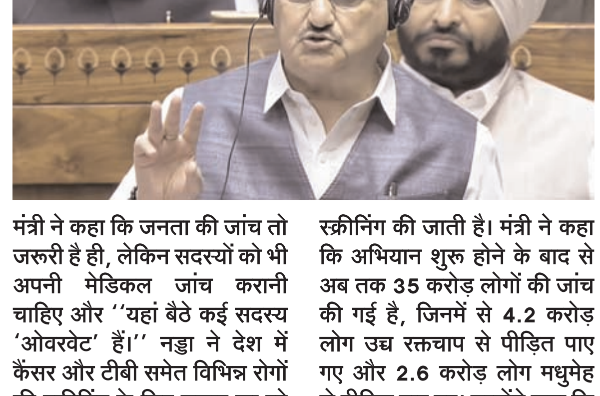

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने शुक्रवार को लोकसभा में सभी सदस्यों से साल में कम से कम एक बार पूरी स्वास्थ्य जांच कराने की अपील करते हुए कहा कि ''यहां कई सदस्य हैं जो ओवरवेट (आवश्यकता से अधिक वजन वाले) हैं।''

नड्डा ने प्रश्नकाल में स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, ''हम आप सभी के स्वास्थ्य की चिंता रखते हैं। मेरा सभी सदस्यों से आग्रह है कि साल में कम से कम एक बार पूरी स्वास्थ्य जांच जरूर कराएं और इसके लिए स्वास्थ्य मंत्रालय तैयार बैठा है।'' लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंत्री से कहा, ''आप तो सदस्यों से कहें कि वे अपने क्षेत्र की जनता की स्वास्थ्य जांच कराएं।'' इस पर मंत्री ने कहा कि जनता की जांच तो जरूरी है ही, लेकिन सदस्यों को भी अपनी मेडिकल जांच करानी चाहिए और ''यहां बैठे कई सदस्य 'ओवरवेट' हैं।'' नड्डा ने देश में कैंसर और टीबी समेत विभिन्न रोगों की स्क्रीनिंग के लिए चलाए जा रहे अभियानों की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर के तहत 30 साल से अधिक उम्र के सभी नागरिकों के लिए स्वास्थ्य जांच का अभियान शुरू किया है। इसमें उच्च रक्तचाप, मधुमेह और कैंसर की निशुल्क स्क्रीनिंग की जाती है। मंत्री ने कहा कि अभियान शुरू होने के बाद से अब तक 35 करोड़ लोगों की जांच की गई है, जिनमें से 4.2 करोड़ लोग उच्च रक्तचाप से पीड़ित पाए गए और 2.6 करोड़ लोग मधुमेह से पीड़ित पाए गए। उन्होंने कहा कि 29.35 करोड़ लोगों की मुख कैंसर के लिए जांच की गई, जिनमें से 1.18 करोड़ लोगों में कैंसर पाया गया। उन्होंने देश में टीबी उन्मूलन से संबंधित एक पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि अब एक ऐसी मशीन से टीबी स्क्रीनिंग शुरू की

लंबित आपूर्ति के 40% मामले निपटाए, मार्च अंत तक बाकी आपूर्तिः ओला इलेक्ट्रिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

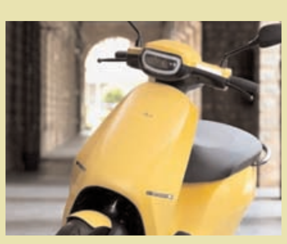

नई दिल्ली/भाषा। ओला इलेक्ट्रिक ने बिक्री आंकड़ों में विसंगतियों पर शुक्रवार को कहा कि फरवरी में आपूर्तिकर्ताओं के साथ बातचीत जारी होने से पैदा हुई लंबित आपूर्ति में से 40 प्रतिशत मामलों का निपटारा कर दिया गया है। साथ ही शेष आपूर्ति भी मार्च के अंत तक कर दी जाएगी।

कंपनी ने कहा कि फरवरी में उसकी बिक्री अच्छी रही थी और उसका ध्यान मार्च के अंत तक सभी लंबित आपूर्ति का निपटान करने पर केंद्रित है। ओला इलेक्ट्रिक ने पहले कहा था कि उसने फरवरी में 25,000 इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन बेचे हैं। हालांकि सरकार के 'वाहन पोर्टल' पर ओला इलेक्ट्रिक के सिर्फ 8,651 स्कूटरों का ही पंजीकरण हुआ है। 'वाहन पोर्टल' पर 20 मार्च तक कंपनी के पंजीकृत वाहनों की संख्या 11,781 थी। कंपनी ने इस विसंगति से पैदा हुए विवाद के बीच कहा, ''फरवरी में अस्थायी विलंब का कारण वाहन पंजीकरण के लिए जिम्मेदार हमारे आपूर्तिकर्ताओं के साथ जारी बातचीत थी।'' ओला इलेक्ट्रिक ने कहा, ''इस लंबित आपूर्ति को तेजी से निपटाया जा रहा है, दैनिक पंजीकरण हमारे तीन महीने के दैनिक बिक्री औसत के 50 प्रतिशत से अधिक है। फरवरी की लंबित आपूर्ति में से करीब 40 प्रतिशत का पहले ही निपटारा हो गया है और शेष का मार्च 2025 के अंत तक निपटान कर दिया जाएगा।'' कंपनी ने बिक्री आंकड़ों में विसंगतियों पर कहा, ''यह साफ तौर पर अस्थायी पंजीकरण लंबित मामलों से जुड़ा हुआ है। फिर भी निहित स्वार्थों ने इसे गलत सूचना और बदनाम करने वाले अभियान के जरिये जानबूझकर नियामकीय मुद्दे के रूप में पेश किया है।'' इस बीच भारी उद्योग और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने 'वाहन पोर्टल' पर वाहनों के पंजीकरण तथा शेयर बाजार को दी जानकारी के अनुरूप बिक्री में अंतर को लेकर ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड से जानकारी मांगी है। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि ''व्यापार प्रमाणपत्रों की आवश्यकता का अनुपालन न करने'' संबंधी रिपोर्ट पर भी उससे स्पष्टीकरण मांगा है। इसके अलावा कंपनी ने कहा कि उसे चार राज्यों में अपने कुछ स्टोर के लिए व्यापार प्रमाणपत्र के संबंध में नोटिस मिले हैं।

कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष का अनादर करने के आरोप में भाजपा के 18 विधायक छह महीने के लिए निलंबित

मुसलमानों को चार प्रतिशत आरक्षण पर विपक्ष ने विरोध जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष यू. टी. खादर का कथित तौर पर अनादर करने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 18 विधायकों को शुक्रवार को छह महीने के लिए निलंबित कर दिया गया। विधानसभा ने विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री द्वारा प्रस्तुत निलंबन प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। भाजपा विधायकों को ऐसे समय में निलंबित किया गया है, जब राज्य विधानसभा में बजट सत्र के आखिरी दिन में भाजपा विधायकों ने बड़े पैमाने पर विरोध किया था। भाजपा के विधायक उस मंच पर चढ़ गये, जहां विधानसभा अध्यक्ष का आसन है और उन्होंने उनपर कागज फेंके।

कर्नाटक में सार्वजनिक अनुबंधों में मुसलमानों को चार प्रतिशत आरक्षण दिए जाने से आक्रोशित विपक्ष ने विरोध जताया। इससे पहले, भाजपा ने विधानसभा अध्यक्ष के आसन के सामने आकर विरोध प्रदर्शन किया और सरकार पर एक मंत्री को 'मोहपाश में फंसाने' (हनी ट्रैप) का प्रयास करने का आरोप लगाया और मामले में न्यायिक जांच की मांग की। इस दौरान मुख्यमंत्री सिद्धरमैया बजट चर्चा पर सदन को संबोधित कर रहे थे।

विधानसभा से निलंबित किए गए सदस्यों में भाजपा के मुख्य सचेतक डोड्डनगौड़ा पाटिल, सी. एन. अश्वथ नारायण, बी. ए. बसवराजू, एम. आर. विश्वनाथ, शरणू सलगर, यशपाल सुवर्ण, बी. पी. हरीश, भरत शेट्टी, मुनिरत्ना और बसवराज एम. शामिल हैं। खादर ने निलंबन का आदेश पढ़ते हुए कहा, इस घटना से हमें बहुत ठेस पहुंची है और यह पीड़ादायी है। यह आसन सिर्फ कुर्सी नहीं है। यह लोकतंत्र, सत्य और न्याय का प्रतीक है। इस आसन से बोलना गर्व की बात है। हर सदस्य को इस आसन की गरिमा और पवित्रता की रक्षा करनी चाहिए। हममें से कोई भी आसन से ऊपर नहीं है। हमारी निजी भावनाएं इस आसन की गरिमा से ऊपर नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा, ''हमें प्रतिबद्धता, शांति और सभ्य तरीके से व्यवहार करना चाहिए। इस घटना से हमें सबक लेना चाहिए। आइए हम आने वाले दिनों में संविधान और इस आसन की पवित्रता का सम्मान करें।'' भाजपा विधायकों ने निलंबित किए जाने के बाद सदन से बाहर जाने से मना कर दिया, जिसके बाद मार्शलों ने उन्हें बलपूर्वक बाहर निकाल दिया।

विपक्ष ने 'हनी ट्रैप' आरोपों की न्यायिक जांच की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा और जनता दल (एस) ने शुक्रवार को कर्नाटक विधानसभा में हंगामा किया और एक मंत्री तथा अन्य नेताओं से जुड़े कथित 'हनी ट्रैप' प्रयास की न्यायिक जांच उच्च न्यायालय के न्यायाधीश से कराने की मांग की। विपक्षी दलों भाजपा और जद (एस) के सदस्य आसन के करीब आ गए और हाथ में सीडी लेकर नारेबाजी करने लगे, जबकि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने उन्हें उच्च स्तरीय जांच का आश्वासन दिया।

सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना ने बृहस्पतिवार को विधानसभा को सूचित किया था कि उन्हें मोहपाश में फंसाने (हनी ट्रैप) की कोशिश की गई थी और विभिन्न दलों के कम से कम 48 नेता इसी तरह की साजिशों का शिकार हुए हैं। इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह किसी भी पद पर क्यों न हो तथा सरकार निष्पक्ष जांच और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेगी। सिद्दरामय्या ने कहा, ''राजन्ना ने उन्हें हनी ट्रैप में फंसाने की कोशिश के बारे में बात की है। गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने पहले ही जवाब देते हुए कहा है कि उच्च स्तरीय जांच की जाएगी। राजन्ना को शिकायत दर्ज करने दें। जिन्होंने कानून का उल्लंघन किया है, उन्हें तदनुसार दंडित किया जाना चाहिए।'' सिद्दरामय्या ने आश्वासन दिया कि ''हनी ट्रैप' के प्रयास के पीछे जो लोग हैं, उनकी पहचान करने के लिए जांच की जाएगी। हालांकि, विपक्ष ने मांग की कि सरकार जांच की प्रकृति को स्पष्ट करे और मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्च न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीश की अगुवाई में जांच पर जोर दिया। मांगों के लिए लगातार जोर डाले जाने पर सिद्दरामय्या ने पूछा, ''जब हमने पहले ही उच्च स्तरीय जांच का आश्वासन दिया है और आपके सुझावों पर विचार करने का वादा किया है, तो आप और क्या चाहते हैं? परमेश्वर और मैं चर्चा करेंगे तथा निर्णय लेंगे।'' जैसे ही मुख्यमंत्री ने बजट चर्चा पर अपना जवाब देना शुरू किया, भाजपा और जद (एस) के सदस्य आसन के करीब आ गए और 'हनी-ट्रैप सरकार मुर्दाबाद' और 'मंत्री राजन्ना को बचाओ' जैसे नारे लगाने लगे।

कन्नड़ समर्थक संगठनों की ओर से आहूत 'बंद' आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कन्नड़ समर्थक संगठनों ने 22 मार्च को राज्यव्यापी बंद का आह्वान किया है जिसके समर्थन में कई संगठन आगे आए हैं वहीं कई संगठनों ने समर्थन से इंकार किया है। संवाददाताओं को संबोधित करते हुए चलुवली नेता वाटाल नागराज ने सभी को इस बंद का समर्थन करने का अनुरोध किया है। सुबह से सायं 6 बजे तक आयोजित इस बंद में राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में बंद का आह्वान किया गया है।

गौरतलब है कि विभिन्न कन्नड़ समर्थक संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक छात्र संगठन कन्नड़ ओक्कुटा ने पिछले महीने सीमावर्ती जिले बेलगावी में मराठी न जानने के कारण एक सरकारी बस कंडक्टर पर कथित हमले के विरोध में बंद का आह्वान किया है। वहीं पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने बताया कि केवल फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति है। अगर सड़क या अन्य सार्वजनिक जगह पर प्रदर्शन करेंगे तो इसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। वहीं कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि राज्य सरकार कन्नड़ समर्थक संगठनों की ओर से बुलाए गए बंद को प्रोत्साहित नहीं करेगी और प्रशासन उनसे बात करेगा, ताकि उन्हें समझाया जा सके कि यह सही तरीका' नहीं है। विधान परिषद में शिवकुमार बंद के संबंध में नेता प्रतिपक्ष चलवाडी नारायणस्वामी के सवाल का जवाब दे रहे थे। नारायणस्वामी ने यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि उस दिन परीक्षा देने वाले एसएसएलसी (कक्षा 10) के लाखों छात्र प्रभावित हो सकते हैं।

रेल पहिया कारखाना को मिली राजभाषा शील्ड

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। रेल पहिया कारखाना को राजभाषा हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रथम पुरस्कार के रूप में रेल मंत्री राजभाषा शील्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान रेलवे बोर्ड में 20 मार्च को आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के अवसर पर रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा प्रदान किया गया। मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर मानस कुमार पोद्दार और राजभाषा अधिकारी/रेल पहिया कारखाना एस. सविता ने शील्ड को प्राप्त किया। इसके साथ-साथ रेल पहिया कारखाना के तत्कालीन मुख्य सामग्री प्रबंधक राजेश पी खाड़े को रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक से सम्मानित किया गया।

सरकारी ठेकों में मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण देने वाला विधेयक पारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा ने शुक्रवार को विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कड़े विरोध के बीच सरकारी ठेकों में मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाला विधेयक पारित किया। भाजपा विधायक विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर के आसन के समीप आए गए और उन पर कागज फेंकने लगे। खादर के निर्देश पर मार्शल ने उन विधायकों को बाहर निकाल दिया जो अध्यक्ष के आसन को घेरने की कोशिश कर रहे थे।

विपक्ष के नेता आर. अशोक ने विधेयक को ''असंवैधानिक'' करार दिया। विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने कर्नाटक सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता (संशोधन) विधेयक, 2025' को पेश किया। पिछले शुक्रवार को मंत्रिमंडल ने 'कर्नाटक सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता' (केटीपीपी) अधिनियम में संशोधन को मंजूरी दे दी थी, जिसके तहत दो करोड़ रुपये तक के (सिविल) कार्यों और एक करोड़ रुपये तक के माल/सेवा खरीद

अनुबंध में मुसलमानों को चार प्रतिशत का आरक्षण का प्रावधान किया गया था। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सात मार्च को पेश किए गए अपने 2025-26 के बजट में इसकी घोषणा की थी।

वर्तमान में, कर्नाटक में सिविल कार्य ठेकों में एससी/एसटी के 24 प्रतिशत जबकि ओबीसी से संबंधित श्रेणी-1 तथा श्रेणी-2ए के लिए क्रमश: चार प्रतिशत और 15 प्रतिशत आरक्षण है। चार प्रतिशत आरक्षण के साथ ओबीसी की श्रेणी-2बी के तहत मुसलमानों को जोड़ने की मांग की गई थी। भाजपा ने सरकारी ठेकों में मुसलमानों को चार प्रतिशत आरक्षण देने के कर्नाटक सरकार के कदम को ''असंवैधानिक दुस्साहस'' करार दिया और कहा कि जब तक इसे वापस नहीं लिया जाता, वह इसे अदालत में चुनौती देने सहित सभी स्तरों पर इसका विरोध करेगी।

रेल पहिया कारखाना में कैंसर जांच शिविर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां एचसीजी अस्पताल के सहयोग से रेलवे अस्पताल, रेल व्हील फैक्ट्री, येलहंका में कैंसर जांच शिविर यानी सभी कर्मचारियों के लिए ओरो-फेरीन्जियल कैंसर की जांच और महिला कर्मचारियों और उनके आश्रितों के लिए स्तन कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जांच का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत एचडी अस्पताल के कंसल्टेंट मेडीकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. श्रीनिवास बी. जे. द्वारा भारतीय परिप्रेक्ष्य में कैंसर की रोकथाम के विभिन्न पहलुओं पर कैंसर जागरूकता वार्ता से हुई। वार्ता में रेलवे अस्पताल के पीसीएमओ डॉ. वी.वी. अजीत कुमार और अन्य वरिष्ठ डॉक्टरों ने भाग लिया। एचसीजी बेंगलूरु के कंसल्टेंट, आरडब्ल्यूएफ महिला कल्याण संगठन के सदस्य और आरडब्ल्यूएफ के कर्मचारी भी मौजूद थे। कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके आश्रितों ने शिविर की सुविधा का लाभ उठाया।

कावेरी तट पर अतिक्रमण और प्रदूषण रोकने के लिए टीम गठित की जाएगी : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भागमंडला (कोडागु)। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को घोषणा की कि कावेरी नदी के प्रवाह पथ पर अतिक्रमण और इसके जल प्रदूषण को रोकने के लिए एक टीम गठित की जाएगी। भागमंडला हेलीपैड पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, हम कावेरी पर अतिक्रमण और प्रदूषण को रोकने के लिए एक टीम गठित कर रहे हैं। हम अपनी भूमि, जल, इतिहास और परंपराओं की रक्षा के लिए जो भी करना होगा, करेंगे।

आज से विश्व जल दिवस के अवसर पर जल संरक्षण के लिए एक सप्ताह तक जागरूकता अभियान चलाएंगे। बेंगलूरु में होने वाली कावेरी आरती भी जल और इसके संरक्षण के बारे में जागरूकता पैदा करेगी। उन्होंने कहा कि मैं इस वर्ष भी राज्य में अच्छी बारिश और फसलों के लिए देवी कावेरी से प्रार्थना कर रहा हूं। उन्होंने कहा, हमने कावेरी आरती के लिए पहले ही धनराशि निर्धारित कर दी है। आने वाले दिनों में कावेरी आरती की आवृत्ति निर्धारित की जाएगी। हमने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे सुनिश्चित करें कि कावेरी आरती में कोडागु के कलाकार शामिल हों। जल संरक्षण अभियान में जल का दुरुपयोग न करने की शपथ दिलाई जाएगी। यह अभियान सैंकी टैंक में कावेरी आरती के अवसर पर शुरू किया जाएगा। लोग ऑनलाइन भी शपथ ले सकते हैं। मैंने पिछले साल केआरएस बांध के लिए बागीना की पेशकश करते समय कहा था कि कावेरी आरती शुरू की जाएगी, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि यह साकार हो। उन्होंने कहा, मैं कोडागु के लोगों को कोडागु से दो कांग्रेस विधायकों को चुनने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। कोडागु से निकलने वाली कावेरी बेंगलूरु, कर्नाटक और तमिलनाडु की जीवन रेखा है। पहली पूजा तालकावेरी को समर्पित होनी चाहिए, इसलिए हम सैंकी टैंक में कावेरी आरती के लिए यहां से कावेरी का पानी बेंगलूरु ले जा रहे हैं।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने एबीपीएस बैठक का उद्घाटन किया, मणिपुर की स्थिति पर चर्चा होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक (प्रमुख) मोहन भागवत ने शुक्रवार को आरएसएस के शीर्ष निर्णायक मंडल अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा '(एबीपीएस)' की तीन दिवसीय बैठक का उद्घाटन किया। इस बैठक में मणिपुर की स्थिति और देश में 'उत्तर-दक्षिण विभाजन' पैदा करने के प्रयासों पर चर्चा की जायेगी।

आरएसएस के संयुक्त महासचिव सी आर मुकुंदा ने यहां प्रेस वार्ता में कहा, बैठक में समसामयिक और ज्वलंत मुद्दों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। इस बैठक में संघ से जुड़े 32 संगठनों के प्रमुख शामिल होंगे। मुकुंदा ने कहा, मणिपुर पिछले 20 महीनों से कठिन दौर से गुजर रहा है, लेकिन अब कुछ उम्मीदें जगी हैं। जब हम मणिपुर को लेकर केंद्र सरकार की दृष्टि को देखते हैं तो इसमें वहां के लोगों के लिए आशा की किरण दिखाई देती है।

उन्होंने कहा कि आरएसएस स्थिति का विश्लेषण कर रहा है और उसका मानना है कि सामान्य माहौल बनने में लंबा वक्त लगेगा। आरएसएस के संयुक्त सचिव ने कहा कि राष्ट्रीय एकता को चुनौती देने वाली ताकतें चिंता का विषय हैं। मुकुंदा ने कहा, एक संगठन के रूप में हम उन ताकतों को लेकर चिंता में हैं जो राष्ट्रीय एकता को चुनौती दे रही हैं खासकर उत्तर-दक्षिण के विभाजन को लेकर, चाहे वह परिसीमन की वजह से हो या भाषाओं के कारण। उन्होंने कहा कि आरएसएस के स्वयंसेवक और संघ परिवार से संबंधित विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता, विशेष रूप से कुछ राज्यों में सद्भाव लाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं। मुकुंदा के अनुसार, पिछले एक साल में आरएसएस का कई गुना विस्तार हुआ है। उन्होंने बताया,वर्तमान में 83,129 सक्रिय शाखाएं हैं जो पिछले वर्ष की तुलना में 10,000 से अधिक हैं।

विधान सभा में पारित हुए विधेयक

बेंगलूरु। कर्नाटक विनियोग विधेयक-2025, कर्नाटक विनियोग (संख्या 2) विधेयक-2025, कर्नाटक मोटर वाहन कर निर्धारण (संशोधन) विधेयक-2025, कर्नाटक मंत्रियों के वेतन और भत्ते (संशोधन) विधेयक-2025, और कर्नाटक विधानसभा वेतन, पेंशन और भत्ते (संशोधन) विधेयक-2025 शुक्रवार को विधानसभा में पारित किए गए। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने विचार एवं अनुमोदन के लिए विधानसभा में प्रस्ताव प्रस्तुत किए। विचार-विमर्श के बाद विधेयक पारित कर दिए गए।

एसएसएलसी परीक्षा देने वाले छात्रों को बधाई : विधानसभा अध्यक्ष यूटी कादर

बेंगलूरु। राज्य में शुक्रवार से एसएसएलसी की परीक्षाएं शुरू हो गई हैं, जिसमें 15,881 परीक्षा केंद्रों पर 8,96,447 छात्र परीक्षा दे रहे हैं। अभिभावकों के लिए छात्रों को भावनात्मक समर्थन प्रदान करना महत्वपूर्ण है। विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर फरीद ने कहा कि एसएसएलसी परीक्षा छात्रों के भविष्य की दिशा में पहला कदम है और यह अंत नहीं बल्कि शुरुआत है। शुक्रवार को विधानसभा में बोलते हुए एसएसएलसी छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए अध्यक्ष ने कहा कि दिन-रात कड़ी मेहनत करके परीक्षा की तैयारी करने वाले सभी छात्रों को दृढ़ संकल्प के साथ परीक्षाओं का सामना करना चाहिए।

एसएसएलसी परीक्षा देने वाले छात्रों के लिए मुफ्त परिवहन सुविधा : सिद्दरामय्या

बेंगलूरु। राज्य में शुक्रवार से शुरू हुई एसएसएलसी परीक्षा में 8,96,447 छात्र शामिल हुए। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि परीक्षा देने वाले सभी विद्यार्थियों को मुफ्त परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। शुक्रवार को विधानसभा में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष एसएसएलसी के छात्र बिना किसी ग्रेस मार्क्स के परीक्षा दे रहे हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को परीक्षा देने और उत्तीर्ण होने के लिए शुभकामनाएं दीं।

मोबाइल फोन के साथ पुलिस आयुक्त की फोटो हो तो यह कैप्शन में लगा दें

बेंगलूरु में शुक्रवार को पुलिस आयुक्त मुख्यालय में बेंगलूरु पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने बताया कि आरएमसी यार्ड और पुट्टनहल्ली पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से 45 लाख रुपए मूल्य के 80 मोबाइल जब्त किए हैं जिनमें 40 आईफोन शामिल हैं।

भावी पीढ़ी के लिए हरा भरा और स्वस्थ राजस्थान बनाने का लें संकल्प : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार ने मिशन हरियालो राजस्थान के तहत 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है, जिसके अंतर्गत वर्ष 2024-25 में प्रदेश में 7 करोड़ पौधे लगाए गए तथा बजट वर्ष 2025-26 की घोषणा की अनुपालना में इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे।

शर्मा शुक्रवार को विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर जयपुर के राजस्थान इन्टरनेशनल सेन्टर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रकृति हमारे जीवन का आधार है। हमारी संस्कृति में पेड़, प्रकृति एवं पहाड़ों की पूजा की जाती है तथा राजस्थान का पर्यावरण संरक्षण से पुराना नाता रहा है। उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि हम वनों को बचाने और अपनी जैव-विविधता को संरक्षित करने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरा भरा और स्वस्थ राजस्थान बनाने का संकल्प लें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी वन, पर्यावरण एवं जलवायु संतुलन के प्रयासों में एक वैश्विक लीडर बनकर उभरे हैं। ग्लासगो में आयोजित कोप 26 के दौरान प्रधानमंत्री जी ने दुनिया के सामने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पांच प्रतिबद्धताएं अर्थात पांच अमृत तत्व रखे हैं, जिनमें वन भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्रीय वन्यजीव मंडल की बैठक में गोडावण पर राज्य में किए जा रहे संरक्षण कार्यों की सराहना करते हुए राष्ट्रीय गोडावण संरक्षण एक्शन प्लान की भी घोषणा की है।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर हमारी सरकार थ्री आर यानी रिड्यूस, रीयूज और रीसाइकल को बढ़ावा देकर कचरे के प्रभावी प्रबंधन, जल संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा और संसाधन दक्षता पर विशेष ध्यान दे रही है। इसी दिशा में हमारी सरकार ने बजट 2025-26 में राजस्थान सर्कुलर इकोनॉमी इन्सेंटिव स्कीम 2025 की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में बेहतरीन कार्य किए जा रहे हैं, जिससे प्रदेश की देशभर में नई पहचान बन रही है। उन्होंने कहा कि हरित आवरण में कृषि वानिकी की इस महत्वपूर्ण भूमिका को समझते हुए हमारी सरकार राज्य में पहली बार कृषि वानिकी नीति ला रही है। इसी तरह राज्य सरकार द्वारा स्थानीय प्रजातियों के संरक्षण एवं विस्तार हेतु एक जिला एक प्रजाति कार्यक्रम, सभी जिलों में मातृ वन की स्थापना, वन रक्षकों की भर्ती जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। साथ ही, हमारी सरकार द्वारा ग्रासलैंड के महत्व को समझते हुए राज्य में वृहद स्तर पर ग्रासलैंड संरक्षण एवं विकास के कार्य एवं घड़ियाल संरक्षण के लिए सवाई माधोपुर में पालीघाट के निकट एक घड़ियाल रियरिंग सेंटर की स्थापना की जा रही है।

शर्मा ने इस अवसर पर वन विभाग द्वारा विभागीय कार्यो में पारदर्शिता लाने हेतु नवीनतम आईटी तकनीक के उपयोग से विकसित 'डिजी-वन-फोरेस्ट स्टैक' एप का शुभारम्भ किया, जो कि देशभर का पहला डिजिटल फोरेस्ट स्टेक है। साथ ही, उन्होंने सीतामाता वन्यजीव अभ्यारण्य में इको टूरिज्म फैसिलिटीज तथा केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, भरतपुर व नाहरगढ़ बायोलोजिकल पार्क में गोल्फ कार्ट सुविधा को प्रदेश की जनता को समर्पित किया। इस अवसर पर वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड एवं राजस्थान में जलवायु परिवर्तन प्रतिक्रिया और पारिस्थितिकी तंत्र सेवा संवर्धन (सीआरईएसईपी) के लोगो का अनावरण तथा वन प्रशिक्षण एवं प्रबंध संस्थान का रिमोट का बटन दबाकर डिजिटल माध्यम से शिलान्यास भी किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने वनमित्रों को किट वितरित किए तथा वन विभाग में कार्यरत महिला कार्मिकों को भी उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने पौधरोपण किया तथा गोल्फ कार्ट को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वृक्षारोपण को एक जन अभियान बनाने के लिए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान शुरू किया है। इस अभियान के अंतर्गत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में हुए उत्कृष्ट कार्यों का प्रधानमंत्री जी ने मन की बात कार्यक्रम में विशेष उल्लेख भी किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पौधरोपण के साथ-साथ उनकी सुरक्षा के लिए मॉनिटरिंग की भी अनूठी व्यवस्था की गई है।

इसी तरह वन विभाग द्वारा वन सुरक्षा एवं प्रबंधन समिति के रजिस्ट्रीकरण का कार्य भी किया जा रहा है। जापान इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन एजेन्सी (जाइका) के एजि वाकामास्तु द्वारा भी कार्यक्रम को संबोधित किया गया। समारोह में विधायक महेन्द्र पाल मीणा, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन श्रीमती अपर्णा अरोड़ा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरिजीत बनर्जी, शासन सचिव सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार श्रीमती अर्चना सिंह, बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्रबंध निदेशक निधु सक्सेना सहित संबंधित विभाग के अधिकारीगण एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

बूंदी में वरिष्ठ सहायक (रीडर) व उसका दलाल 50000 रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के एक दल ने बूंदी जिले के नैनवा उपखंड कार्यालय में कार्यरत वरिष्ठ सहायक (रीडर) और उसके दलाल को परिवादी से लंबित वाद में स्थगन आदेश करवाने की एवज में पचास हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। यह जानकारी एक आधिकारिक बयान से मिली। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि बूंदी जिले के नैनवा के उपखंड अधिकारी कार्यालय के वरिष्ठ सहायक (रीडर) मारुती नन्दन और उसके दलाल नंदलाल खन्ना को परिवादी से 50000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने एक बयान में बताया कि ब्यूरो को शिकायत मिली थी कि उपखण्ड कार्यालय नैनवा में परिवादी के लम्बित वाद में स्थगन आदेश करवाने की एवज में आरोपी द्वारा परिवादी से 50000 रुपये की रिश्वत मांगकर उसे परेशान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शिकायत के सत्यापन के बाद दल ने नैनवा के उपखंड अधिकारी कार्यालय के वरिष्ठ सहायक (रीडर) मारुती नन्दन और उसके दलाल नंदलाल खन्ना को परिवादी से 50000 रुपये की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि नंदलाल खन्ना उपखंड कार्यालय में एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी है। उन्होंने बताया कि आरोपियों से पूछताछ और आगे की कार्यवाही जारी है। उन्होंने बताया कि ब्यूरो द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज करके आगे की जांच की जायेगी।

युवा समृद्ध और विकसित भारत के निर्माण में समर्पण भाव से आएं आगे : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने युवा पीढ़ी से समय का पूरा-पूरा सदुपयोग करने और लक्ष्य के प्रति समर्पण भाव रखते हुए समृद्धशाली और सम्पन्न भारत के निर्माण के प्रति कृतसंकल्प होकर कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा है कि वे समाज एवं देश के विकास में अपनी अहम भूमिकाओं का निर्वाह करते हुए विकसित भारत-2047 की संकल्पना को पूरा करने में अपनी आत्मीय भागीदारी सुनिश्चित करें।

बागड़े ने शुक्रवार को पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर स्थित मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के 21वें दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में रहे थे। राज्यपाल ने विभिन्न संतों एवं महापुरुषों के उपदेशों और वाणियों को उद्धृत करते हुए कहा कि शिक्षा समग्र जीवन-दृष्टि को विकसित करते हुए लोक कल्याण की धाराओं को तीव्रतर करने का सशक्त माध्यम है। शिक्षा ऐसी हो जो व्यक्तित्व का विकास करे। इससे युवा रोजगार पाने के इच्छुक नहीं बल्कि रोजगार दाता बनें।

उन्होंने एआई तकनीक का सावधानीपूर्वक उपयोग करने पर बल देते हुए कहा कि तकनीकी ज्ञान का उपयोग करें पर सावधानी जरूर रखें। बागड़े ने 55 स्वर्णपदकों में से 38 पदक बेटियों को मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बेटियां हमारा गौरव हैं, वे आगे बढेंगी तभी समाज तेजी से आगे बढ़ेगा।

दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत वर्चुअल माध्यम से जुड़े और शेखावत ने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि विश्वद्यालय की मनीषा परंपरा, सीखने की जिज्ञासा और निरंतर ज्ञान अर्जन की इच्छाशक्ति को जारी रखें।

दीक्षांत समारोह में कुल 51 हजार 402 उपाधियों का अनुमोदन किया गया। इसमें स्नातक स्तर की 46 हजार 188 और स्नातकोत्तर की पांच हजार 214 उपाधियां शामिल हैं। इसके साथ ही दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति द्वारा 60 गोल्ड मेडल प्रदान किए गए, जिसमें 53 स्वर्ण पदक, एक कुलाधिपति पदक, चार डोनर पदक एवं दो अन्य पदक शामिल हैं, इसके साथ 187 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई।

राजस्थान के विश्वविद्यालयों में अब 'कुलपति' होंगे 'कुलगुरु', विधेयक पारित

जयपुर। राजस्थान में सरकार से वित्तपोषित विश्वविद्यालयों में 'कुलपति' का पदनाम अब 'कुलगुरु' होगा। विधानसभा ने इस आशय का एक प्रस्ताव बृहस्पतिवार को पारित कर दिया। राजस्थान के उप मुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने राजस्थान के विश्वविद्यालयों की विधियां (संशोधन) विधेयक, 2025 पर चर्चा के बाद जवाब देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार उच्च शिक्षा के क्षेत्र में लगातार महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है।

उन्होंने कहा कि वंचित वर्गों को शिक्षा के समान अवसर उपलब्ध करवाना राज्य सरकार का ध्येय है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा लगातार कॉलेज शिक्षकों की भर्ती की जा रही है। उन्होंने कहा कि भारत देश प्राचीन काल में ज्ञान एवं शिक्षा का वैश्विक केंद्र रहा है, राज्य सरकार शिक्षा के माध्यम से भारत का पुराना गौरव लौटाने के लिए कृत संकल्पित है।

कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर ने किया रूफटॉप वेजिटेबल गार्डन मॉडल विकसित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में जयपुर जिले के कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के अधीनस्थ हॉर्टिकल्चर कॉलेज दुर्गापुरा ने हरी खेती को नई दिशा देने के लिए अभिनव पहले करते हुए रूफटॉप वेजिटेबल गार्डन मॉडल विकसित किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति डा बलराज सिंह ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में जैविक एवं रसायनमुक्त सब्जियों के उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल की गई हैं।

डा सिंह ने आधुनिक शहरी जीवन में भूमि की उपलब्धता तेजी से कम हो रही है वहीं बाजार में रसायनयुक्त सब्जियों का बढ़ता उपयोग स्वास्थ्य के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुका है। ऐसे में यह रूफटॉप वेजिटेबल गार्डन मॉडल एक प्रभावी समाधान प्रस्तुत करता है, जिससे नागरिक अपनी छतों पर ही ताजी एवं जैविक सब्जियां उगा सकते हैं।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के उप महानिदेशक (शिक्षा) डा आर सी अग्रवाल ने इस गार्डन का दौरा किया और इसे शहरी खेती एवं पर्यावरण-अनुकूल नवाचार का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की परियोजनाएं पर्यावरण संरक्षण में सहायक होने के साथ शहरी आबादी को स्वस्थ एवं आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर दुर्गापुरा के डीन डा एल एन बैरवा के अनुसार इस गार्डन का संपूर्ण रखरखाव हॉर्टिकल्चर कॉलेज के छात्रों द्वारा किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यह पहल उन्हें शहरी खेती की आधुनिक तकनीकों को प्रत्यक्ष रूप से सीखने और नवाचारों को समझने का अवसर प्रदान कर रही है। इससे न केवल उनके कृषि ज्ञान में वृद्धि हो रही है बल्कि रचनात्मकता एवं समस्या-समाधान कौशल भी विकसित हो रहे हैं। डॉ. रंजना सिरोही और डा एच पी परेवा बताया कि इस रूफटॉप वेजिटेबल गार्डन का उद्देश्य सीमित स्थान का प्रभावी उपयोग करते हुए टिकाऊ एवं पर्यावरण-अनुकूल शहरी खेती को प्रोत्साहित करना है।

रूफटॉप वेजिटेबल गार्डन के इंचार्ज डा अशोक चौधरी ने बताया कि इसे पर्यावरणीय स्थिरता को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। इस मॉडल को पुराने ओवरहेड वॉटर टैंकों, डस्टबिन, प्लास्टिक की बोतलों, कंटेनरों एवं अन्य अनुपयोगी सामग्रियों का पुनः उपयोग करके तैयार किया गया है। यह दृष्टिकोण कचरे को कम करने और संसाधनों के पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने में मददगार साबित हो रहा है।

यह तकनीक लोगों को अपने घरों की छतों पर जैविक सब्जियां उगाने के लिए प्रेरित कर रही है, जिससे वे बाजार में उपलब्ध रसायनयुक्त सब्जियों पर निर्भरता कम कर सकें। साथ ही यह पहल स्थानीय रोजगार एवं उद्यमिता को भी प्रोत्साहित कर सकती है। जो लोग इस तकनीक को सीखेंगे, वे इसे व्यावसायिक मॉडल के रूप में अपनाकर रूफटॉप गार्डनिंग सेवाएं प्रदान कर सकते हैं। यह रूफटॉप वेजिटेबल गार्डन मॉडल न केवल ताजा एवं स्वास्थ्यवर्धक जैविक भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा बल्कि पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली को भी बढ़ावा देगा। भविष्य में इस प्रकार की और भी पहलें विकसित होने की उम्मीद है, जिससे भारत में शहरी खेती की एक नई क्रांति आएगी।

पूर्ण भव्यता से मनाया जाए राजस्थान दिवस और गणगौर का त्यौहार : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी की अध्यक्षता में शुक्रवार को पर्यटन भवन में पर्यटन शासन सचिव रवि जैन की उपस्थिति में सामान्य समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें उन्होंने राजस्थान दिवस को भव्यता से मनाने के निर्देश दिए।

दीया कुमारी ने इस सम्बन्ध में चर्चा कर अधिकारियों को सभी तरह की तैयारी मुस्तैदी से करने के निर्देश दिए। उन्होंने इसके साथ ही संस्कृति और परंपराओं के त्यौहार गणगौर को भव्यता से मनाने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्थान आने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए ऑनलाइन ऐप जल्द तैयार की जाए। जिससे पर्यटकों को सभी तरह की पर्यटन सूचनाएं प्राप्त हो सके साथ ही पर्यटन सम्बंधित मदद भी प्राप्त कर सके।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने पर्यटन विभाग से सम्बंधित बजट घोषणाओं पर बिंदुवार चर्चा कर उनके क्रियान्वयन के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं की समयबद्धता से पालना सुनिश्चित की जाए। सामान्य समीक्षा बैठक में अतिरिक्त निदेशक पर्यटन तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। दीया कुमारी ने गोविन्द देव जी मंदिर के श्रद्धालुओं के लिए आधारभूत सुविधाओं के विकास के दिए निर्देश उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने गोविन्द देव जी मंदिर के सौंदर्यकरण और जीर्णोद्धार हेतु शुक्रवार को मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया।

अब राजस्थान में फल फूल रहे हैं सेब के बाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। परंपरागत रूप से सेब के पेड़ जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश जैसे हिमालयी राज्यों में पाये जाते हैं जहां की जलवायु ठंडी होती है लेकिन इसके फल अब सबसे अप्रत्याशित जगह राजस्थान में भी आ रहे हैं। आम तौर पर अपने तपते थार और झुलसा देने वाली गर्मी के लिए जाने जाने वाला राजस्थान में अब अनेक जगह सेब के बाग दिखने लगे हैं। विशेष रूप से सीकर और झुंझुनू जिले में सेब के बाग हैं।

सीकर के बेरी गांव की किसान संतोष खेदड़ ने कभी नहीं सोचा था कि 2015 में गुजरात में राष्ट्रीय नवाचार फाउंडेशन से उन्हें मिला सेब का एक पौधा उनके खेतों की दशा व दिशा ही बदल देगा। आज उनके बाग से हर मौसम में 6,000 किलोग्राम से अधिक सेब की उपज हो रही है। यह 'सेब' के बागों के लिए प्रतिकूल मानी जानी वाली राज्य की परिस्थितियों के मद्देनजर बड़ी बात कही जा सकती है। इस किसान परिवार ने परंपरागत रूप से अपने 1.25 एकड़ खेत में नींबू, अमरूद आदि के बाग लगा रखे हैं और यह परिवार रेगिस्तान की गर्मी में सेबों के बाग सफल होने को लेकर संशय में था।

संतोष याद करती हैं, पड़ोसियों ने हमारे विचार को खारिज कर दिया था, क्योंकि उन्हें लगता था कि ऐसी विषम परिस्थितियों में सेब के बाग सफल नहीं होंगे। राजस्थान राज्य के बाकी हिस्सों की तरह इन दोनों जिलों में भी भीषण गर्मी पड़ती है और तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला जाता है। हालांकि इसके बावजूद संतोष ने जोखिम उठाने का दृढ़ निश्चय किया और अपनी योजना पर आगे बढ़ीं। संतोष कहती हैं, हमने पौधे को पानी दिया और आवश्यकतानुसार जैविक खाद का इस्तेमाल किया। और एक साल बाद जोखिम का नतीजा मिला।

संतोष ने आत्मविश्वास से भरी मुस्कान के साथ कहा, हम पौधों के सेब लगते देखकर हैरान रह गए। दूसरे साल लगभग 40 किलोग्राम सेब निकले। नतीजों से उत्साहित होकर इस परिवार ने ग्राफ्टिंग तकनीक का इस्तेमाल करके अपने बगीचे में सेब के पौधों की संख्या 100 तक कर दी। संतोष के बेटे राहुल ने कहा, चूंकि हमारे पास राजस्थान ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन एजेंसी से ऑर्गेनिक खेती का सर्टिफिकेट है, इसलिए हम (अब) अपने सेब 150 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से बेचते हैं। वे इस सफलता का श्रेय सेब की किस्म एचआरएमएन-99 को देते हैं जिसे विशेष रूप से उच्च तापमान को झेलने के लिए विकसित किया गया है। कृषि विषय के छात्र राहुल ने बताया कि यह किस्म उन इलाकों में भी फल फूल सकती है, जहां गर्मियों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक होता है। इस किस्म के पौधों को अतिरिक्त पानी की आवश्यकता नहीं होती।

बागवानी विशेषज्ञ कहते हैं कि सेब के पौधों के बड़े होने के बाद न्यूनतम सिंचाई की आवश्यकता होती है। बागवानी उप निदेशक मदन लाल जाट ने बताया कि जब सेब का पौधा पांच साल का हो जाता है, तब तक उसे हर दो सप्ताह में एक बार पानी की आवश्यकता होती है। उन्होंने बताया कि फरवरी में फूल आना शुरू हो जाते हैं और जून तक सेब पककर तैयार हो जाते हैं। कभी किसान संतोष के प्रयासों पर संदेह करने वाले लोग अब उनकी सफलता से सीखने को उत्सुक हैं। वह गर्व से मुस्कुराते हुए कहती हैं, जो लोग मुझ पर हंसते थे, वे अब पौधे मांग रहे हैं। उनकी सफलता से प्रेरित होकर, कटराथल गांव के एक किसान ने भी 50 सेब के पेड़ लगाए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह एक बड़े बदलाव की शुरुआत है। जाट ने बताया कि एक दशक पहले बाड़मेर में किसानों ने खजूर और अनार उगाना शुरू किया था। उन्होंने कहा कि अब चित्तौड़गढ़ और भीलवाड़ा में भी स्ट्रॉबेरी की खेती हो रही है। उन्होंने कहा कि अगले पांच साल में राज्य के और इलाकों में सेब की खेती शुरू हो सकती है।

कांग्रेस सदस्यों ने भू राजस्व संशोधन और विधिमान्यकरण विधेयक को लेकर सदन से किया बहिर्गमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में शुक्रवार को विपक्ष कांग्रेस सदस्यों ने राजस्थान भू-राजस्व (संशोधन और विधिमान्यकरण) विधेयक-2025 को प्रवर समिति को भेज देने का विरोध एवं इसे जनमत जानने के लिए भेजने की मांग करते हुए सदन से बहिर्गमन किया। सदन में इस विधेयक पर चर्चा के बाद राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने इसे प्रवर समिति को भेजने का प्रस्ताव करने और सदन ने इसे ध्वनिमत से प्रवर समिति को भेज देने पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इसका विरोध किया। इस दौरान डिवीजन की मांग भी की गई लेकिन अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मीणा के प्रस्ताव पर सदन की राय जानी और सदन ने इसे ध्वनिमत से प्रवर समिति को भेज दिया गया।

इसके बाद विपक्ष के सदस्य खड़े हो गए और इसका विरोध करने लगे, इस दौरान सत्ता एवं विपक्ष दोनों पक्षों के सदस्यों के बोलने से सदन में शोरशराबा और हंगामा हुआ। इस दौरान जूली ने कहा कि इस विधेयक को जनमत जानने के लिए भेजा जाना चाहिए। इस पर देवनानी ने कहा कि यह विधेयक पारित नहीं हुआ हैं इसे अभी प्रवर समिति को भेजा गया हैं और यह विधेयक वापस सदन में आयेगा और उस समय सभी को चर्चा करने का पूरा अवसर दिया जायेगा। इसके बाद अपराह्न तीन बजकर 12 मिनट पर कांग्रेस सदस्य सदन से बहिर्गमन कर गए। कांग्रेस विधायकों के बहिर्गमन कर जाने पर संसदीय राज्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि कांग्रेस सदस्यों के पास कोई मुद्दा नहीं हैं और उन्हें पता हैं कि आज सदन में आपातकाल पर चर्चा होनी हैं, इसलिए ये इससे भाग रहे हैं।

त्रिपुरा विधानसभा में 32,423.44 करोड़ रुपए का कर-मुक्त बजट पेश

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के वित्त मंत्री प्रणजीत सिंह रॉय ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 32,423.44 करोड़ रुपए का बजट पेश किया जिसमें कुल 13 नई कल्याणकारी योजनाओं का प्रस्ताव है। विधानसभा में पेश 429.56 करोड़ रुपए के घाटे वाले बजट में कोई नया कर प्रस्तावित नहीं किया गया। इस बजट में अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और रोजगार पैदा करने के लिए 7,903 करोड़ रुपए आवंटित करके पूंजीगत व्यय पर जोर दिया गया है।

रॉय ने वित्त वर्ष 2025-26 का बजट पेश करते हुए कहा कि राज्य सरकार उम्मीदवारों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण कोचिंग प्रदान करने के लिए अगरतला, उदयपुर और अंबासा में केंद्र स्थापित करेगी। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार समावेशी विकास पर ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने कहा, ''बजट में पूंजीगत व्यय पर अधिक ध्यान दिया गया है। इसके लिए 7,903 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जो वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में 7,000 करोड़ रुपए है। पूंजीगत व्यय पर ध्यान देने से बुनियादी ढांचे के निर्माण को बढ़ावा मिलेगा और युवाओं के लिए रोजगार पैदा होगा।'' रॉय ने कहा कि सरकार अगरतला में 'भारत माता कैंटीन सह रात्रि आश्रय' स्थापित करेगी, ताकि विभिन्न स्थानों से राज्य की राजधानी में आने वाले लोग वहां रह सकें। उन्होंने मानसिक रूप से कमजोर लोगों के लिए एक योजना का भी बजट में प्रस्ताव रखा जिसके तहत उन्हें 5,000 रुपए मासिक पेंशन दी जाएगी। राज्य के कर्ज के बोझ पर मंत्री ने कहा कि राज्य का कर्ज बढ़कर 21,878.26 करोड़ रुपए हो गया है।

न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रकिया को और पारदर्शी बनाने की जरूरत : सिब्बल

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने दिल्ली उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश के आवास पर कथित तौर पर भारी नकदी मिलने की घटना का हवाला देते हुए शुक्रवार को कहा कि न्यायपालिका के भीतर भ्रष्टाचार का मुद्दा बहुत गंभीर है तथा न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाने की जरूरत है। खबरों में यह दावा किया गया है कि दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के आधिकारिक आवास में आग लगने के बाद भारी मात्रा में नकदी मिली। उच्चतम न्यायालय के कोलेजियम ने उनके तबादले की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वरिष्ठ अधिवक्ता सिब्बल ने संवाददाताओं से कहा कि न्यायपालिका के भीतर भ्रष्टाचार का मुद्दा बहुत गंभीर है और इस देश में वरिष्ठ वकीलों और वकीलों ने कई बार इसे उठाया है। निर्दलीय राज्यसभा सदस्य ने कहा, यह वर्षों से चल रहा है । यहां तक कि सार्वजनिक बयान दिए गए हैं। अब समय आ गया है कि उच्चतम न्यायालय इस मुद्दे पर गौर करे कि नियुक्ति प्रक्रिया कैसे होती है। उनका कहना था कि नियुक्ति की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी होनी चाहिए और नियुक्तियां अधिक सावधानी से की जानी चाहिए।

संभल की शाही जामा मस्जिद में रंगाई-पुताई का कार्य पूरा

संभल (उप्र)/भाषा। संभल की शाही जामा मस्जिद में शुक्रवार को रंगाई-पुताई का कार्य पूरा हो गया। इस सप्ताह की शुरुआत में अदालत के आदेश के बाद इसकी शुरुआत हुई थी। जामा मस्जिद समिति के सचिव मसूद फारुकी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि रंगाई पुताई का काम पूरा हो गया है और लाइटिंग का काम चल रहा है जिसके आज पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, इसके लिए उच्च न्यायालय ने एक सप्ताह की समय सीमा दी थी और हमें विश्वास है कि काम निर्धारित समय के भीतर पूरा हो जाएगा।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की देखरेख में यह कार्य रविवार से चल रहा है। मस्जिद प्रबंधन ने पहले ढांचे के चारों ओर सफेदी तथा अतिरिक्त प्रकाश व्यवस्था की अनुमति मांगी थी। मुगलकालीन मस्जिद में सफेदी उस समय की गई है जब इसे लेकर कानूनी विवाद चल रहा है। एक याचिका में दावा किया गया था कि मस्जिद का निर्माण एक प्राचीन हिंदू मंदिर के ऊपर किया गया था। पिछले साल नवंबर में एक स्थानीय अदालत द्वारा मस्जिद के एएसआई सर्वे का आदेश दिए जाने के बाद संभल में दंगे भड़क उठे थे।

सर्वेक्षण के दौरान भड़की हिंसा में चार लोगों की मौत हो गयी थी और कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 12 मार्च को एएसआई को मस्जिद की बाहरी दीवारों की सफेदी एक हफ्ते के भीतर पूरी करने का निर्देश दिया था।

युवा उद्यमिता विकास योजना में तीन लाख से अधिक युवाओं का पंजीकरण : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि 'युवा उद्यमी विकास अभियान' के तहत अब तक तीन लाख से अधिक युवा उद्यमियों के पंजीकरण हो चुके हैं और 32 हजार से अधिक युवाओं को ऋण स्वीकृत हो चुका है।

योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को यहां मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत अयोध्या मंडल के सभी जिलों से आए युवाओं के ऋण वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह ऋण व्यवसाय को आगे बढ़ाने में युवाओं का संबल बनने के लिए स्वीकृत किया गया है।

उप्र में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना विकास अभियान (सीएम-युवा) के तहत लाभार्थी को पांच लाख रुपए तक की लागत का व्यवसाय शुरू करने के लिए ब्याज मुक्त कर्ज देने की सरकार की योजना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्याज-मुक्त ऋण युवा उद्यमियों को आगे बढ़ने के लिए एक बेहतरीन योजना है। उन्होंने कहा कि योजना शुरू होने के दो महीने के भीतर एक लाख युवाओं को इससे जोड़ने का लक्ष्य रखा गया था। उन्होंने कहा कि पोर्टल लांच होने के कुछ ही समय बाद उप्र के युवाओं से इस योजना को समर्थन मिला। तीन लाख से अधिक पंजीकरण अब तक हो गये हैं जिसमें एक लाख 27 हजार से अधिक युवाओं के फार्म स्क्रीनिंग के बाद बैंकों को भेजे जा चुके हैं। इसमें 32 हजार से अधिक युवाओं के लिए बैंक का कर्ज स्वीकृत हो गया है।

मंडलवार आयोजित होने वाले इस तरह के समारोह की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, मैं इस सातवें कार्यक्रम में भाग ले रहा हूं। 25, 26, 27 मार्च तक हर जिले में निवेश मेला आयोजित होने जा रहा है, उस मेले में भी युवाओं के लिए ऐसी योजनाओं के शिविर लगेंगे। उन्होंने कहा कि एक हजार से अधिक युवा उद्यमी बैंक ऋण का लाभ लेकर एक नए जीवन की शुरुआत करना चाहते हैं। वे भी अपने जनपद, प्रदेश व देश के विकास में सहयोगी बनना चाहते हैं। कार्यक्रम में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, एमएसएमई मंत्री राकेश सचान,अयोध्या के महापौर गिरीश पति त्रिपाठी समेत कई प्रमुख लोग मौजूद थे।

कई फैसलों पर एमएसपी बढ़ा, किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में विभिन्न फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ा है तथा सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें विकसित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

भाजपा सांसद दुष्यंत सिंह ने वर्ष 2025-26 के लिए कृषि मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदानों की मांगों पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि सरकार ने कृषि को प्रौद्योगिकी के साथ जोड़ा है और अब किसानों के खातों में सीधे वित्तीय सहायता दी जाती है। राजस्थान के झालावाड़-बारां से लोकसभा सदस्य सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कृषि क्षेत्र में सतत विकास और किसानों की आय बढ़ाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने फसल बीमा योजना का आधार पंचायत स्तर पर बनाया है, जबकि पहले तहसील स्तर पर होता था। उनका कहना था कि खरीफ और रबी की फसलों पर एमएसपी को बढ़ाया गया है। सिंह ने कहा, ''हमने 'हर खेत को पानी, हर हाथ को काम' की भावना से काम किया है...हमारा यह प्रयास होगा कि किसान विकसित हों तथा किसान की आय बढ़े, इसके लिए सरकार प्रतिबद्ध है।'' तृणमूल कांग्रेस की शताब्दी रॉय ने पश्चिम बंगाल में किसानों के लिए राज्य सरकार द्वारा संचालित कई योजनाओं का उल्लेख किया और कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण जूट उद्योग संकट का सामना कर रहा है।

बिहार : राष्ट्रगान के 'अनादर' को लेकर विपक्ष के निशाने पर नीतीश

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक कार्यक्रम के दौरान कथित तौर पर राष्ट्रगान का अपमान करने को लेकर शुक्रवार को राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों में विपक्ष के निशाने पर रहे। मामले से जुड़ा एक कथित वीडियो सामने आया है, जिसमें नीतीश कुमार 'पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स' में बृहस्पतिवार को एक कार्यक्रम के उद्घाटन के दौरान मंच पर बगल में खड़े अपने प्रधान सचिव दीपक कुमार से हंसते और बात करते नजर आ रहे हैं।

कथित वीडियो में नीतीश कुमार राष्ट्रगान के दौरान हंसते हुए अपने प्रधान सचिव के कंधे को थपथपाते और कुछ बोलते हुए दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने दर्शकों में से किसी की ओर हाथ जोड़कर नमस्कार भी किया। इससे पहले, कार्यक्रम के दौरान जैसे ही राष्ट्रगान की घोषणा हुई, नीतीश कुमार अचानक मंच से उतरकर प्रतिभागियों से मिलने चले गए।

प्रदेश में मुख्य विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता हाथों में पोस्टर और बैनर लेकर शुक्रवार को विधानमंडल पहुंचे और मुख्यमंत्री के व्यवहार की निंदा करते हुए 'भारत में राष्ट्रगान का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा' जैसे नारे लगाए। विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार के व्यवहार पर उनकी पार्टी द्वारा लाए गए स्थगन प्रस्ताव पर तुरंत चर्चा कराने की मांग की। इस दौरान सदन में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मौजूद थे।

जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद आतंकवाद व पथराव में भारी कमी, अभूतपूर्व निवेश हुआ : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

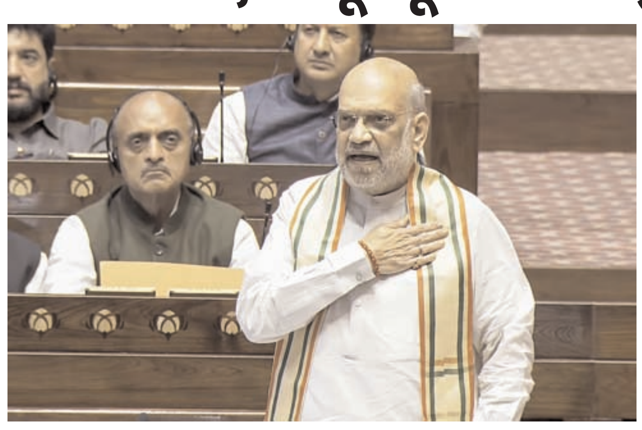

नई दिल्ली/भाषा। जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद हुए परिवर्तन के बारे में प्रश्न पूछने वाले विपक्षी नेताओं पर करारा प्रहार करते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि इसके समाप्त होने के बाद वहां आतंकवाद, पथराव, जबरदस्ती बंद की घटनाओं में भारी कमी आयी है तथा राज्य में जितना निवेश आया, उतना आजादी के बाद कभी नहीं हुआ था।

शाह ने जम्मू कश्मीर एवं वहां के आतंकवाद, वाम नक्सलवाद एवं पूर्वोत्तर के उग्रवाद को 'तीन नासूर' की संज्ञा दी। इन्होंने कहा कि यदि इन तीनों समस्याओं को जोड़ दिया जाए तो चार दशकों में देश के कुल 92 हजार नागरिक मारे गये। उन्होंने कहा कि इन तीनों समस्याओं के लिए पहले ऐसे कभी सुनियोजित प्रयास नहीं किए गए जो नरेन्द्र मोदी सरकार ने सत्ता में आने के बाद किए हैं। गृह मंत्री ने कहा कि जम्मू कश्मीर में पहले पड़ोसी देश से आतंकवादी सीमा पार कर आते थे और यहां धमाके करते थे, हत्याएं करते थे। उन्होंने कहा कि एक भी त्योहार ऐसा नहीं जाता था कि उसे लेकर चिंता नहीं की जाती थी। उन्होंने कहा कि उस समय की केंद्र सरकार ने लचीला रवैया अपना रखा था। ''वे चुप्पी साध जाते थे, बोलने में डर लगता था...वोट बैंक का भी डर था।'' शाह ने कहा, ''हमारे आने के बाद भी हमले हुए, उरी पर हुआ, पुलवामा पर हुआ। पहले भी हमले होते थे, कोई कुछ नहीं बोलता था, कुछ नहीं करता था, दिल्ली के अखबारों में एक छोटी-सी खबर छप जाती थी।'' उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के आने के बाद उरी और पुलवामा हमलों के बाद दस दिन के भीतर पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक की गयी। उन्होंने कहा, ''पूरी दुनिया में दो ही देश ऐसे थे जो अपनी सीमा और सेना की सुरक्षा के लिए हमेशा समान के साथ तत्पर रहते थे...(ये देश हैं) अमेरिका और इजराइल। उन दो देशों की सूची में मेरे महान देश भारत का नाम जोड़ने का काम नरेन्द्र मोदी ने किया।'' उन्होंने कहा कि इसी के साथ आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टालरेंस की नीति' शुरू हुई। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में आतंकवाद के मूल में अनुच्छेद 370 था। उन्होंने देश के संविधान निर्माताओं का धन्यवाद दिया कि उन्होंने अनुच्छेद 370 में ही इसको हटाने के बीज डाल दिये थे। शाह ने कहा कि इसी सदन ने पांच अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 को समाप्त कर दिया। उन्होंने कहा, ''हमारे संविधान निर्माताओं का वह स्वप्न कि एक देश में दो प्रधान, दो विधान, दो निशान नहीं होंगे...पांच-छह अगस्त (2019) को एक प्रधान, एक विधान और एक निशान कायम हुआ।''

उन्होंने अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू कश्मीर में भ्रष्टाचार निरोधक इकाई एवं महिलाओं के हितों को संरक्षित करने सहित विभिन्न कानून लागू करने का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के सदस्य पूछते हैं कि वहां क्या परिवर्तन हुआ?

गृह मंत्री ने कहा कि विपक्ष के 33 वर्ष के शासन में वहां रात के समय सिनेमा हॉल नहीं खुलते थे किंतु आज वे खुल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 34 साल बाद वहां ताजिये के जुलूस की अनुमति दी गयी। उन्होंने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत लाल चौक पर हर घर पर तिरंगा फहराया गया। उन्होंने वहां जन्माष्टमी, सरस्वती पूजा और खीर भवानी की पूजा होने की ओर भी ध्यान दिलाया। शाह ने कहा कि पहले आतंकवादियों के मारे जाने पर बड़े-बड़े जुलूस निकलते थे किंतु आज कोई जुलूस नहीं निकलता और आतंकवादी जहां मारे जाते हैं, उनको वहीं दफना दिया जाता है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद और आतंकवाद के समर्थकों पर सरकारी नौकरियों, पासपोर्ट, सरकारी ठेकों में प्रतिबंध लगा दिया गया है। उन्होंने कहा, ''छह साल हो गए 370 हटाने को। 2004 और 14 के बीच आतंकवाद की जो घटनाएं थी वह 7,217 से घटकर 2,242 हो गई है। मृत्यु में 70 प्रतिशत की कमी आई है।

समय-समय पर कोलकाता आना चाहती हूं, लेकिन वहां रहना एक विकल्प नहीं : तस्लीमा नसरीन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। निर्वासित बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन ने कहा है कि इस समय निवास के लिए दिल्ली से कोलकाता आ जाना उनके लिए व्यावहारिक विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा, ''मैं नहीं चाहती हूं कि मेरी हालत फुटबॉल की गेंद की तरह हो।''

नसरीन ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि वह पश्चिम बंगाल और केंद्र दोनों सरकारों से अनुरोध करेंगी कि उन्हें समय-समय पर साहित्यिक समारोहों और पुस्तक मेलों में भाग लेने के लिए शहर आने की अनुमति दी जाए जिसके साथ उनका मजबूत भावनात्मक जुड़ाव है।

इस सप्ताह के प्रारम्भ में संसद में भाजपा के राज्यसभा सदस्य समिक भट्टाचार्य ने केंद्र से अपील की थी कि वह नसरीन की सुरक्षित कोलकाता वापसी सुनिश्चित करे क्योंकि उन्हें 2000 के दशक की शुरुआत में शहर छोड़ने को मजबूर होना पड़ा था।

नसरीन ने फोन पर कहा, ''राजनीतिक व्यवस्थाओं ने मुझे फुटबॉल की तरह फेंका है, क्योंकि वे मेरे साहित्यिक और वैश्विक दृष्टिकोण के कारण अपनी सीमाओं के भीतर मेरी उपस्थिति से असहज महसूस करते थे। अपने जीवन के इस पड़ाव पर, मैं अब और इधर-उधर भटकना नहीं चाहती। इसके बजाय, मुझे खुशी होगी अगर सरकार मुझे कोलकाता में साहित्य उत्सवों और पुस्तक मेलों में भाग लेने की अनुमति दे, जहां से मुझे नियमित रूप से निमंत्रण मिलते हैं।'' नसरीन ने 90 के दशक के प्रारंभ में अपने लेखों और उपन्यासों के कारण वैश्विक ध्यान आकर्षित किया था, जिनमें उन्होंने नारीवादी विचार व्यक्त किए थे। उन्हें 1994 में अपने उपन्यास 'लज्जा' के प्रकाशन के बाद जारी किए गए कई फतवों के कारण बांग्लादेश छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था।

यूरोप और अमेरिका में एक दशक बिताने के बाद वह 2004 में भारत आ गईं और अगले तीन साल कोलकाता में रहीं।

अगर समय रहते कदम उठाए गए होते तो मणिपुर नहीं जलता : विपक्ष ने रास में कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में शुक्रवार को विभिन्न दलों के सदस्यों ने केंद्र सरकार पर मणिपुर की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अगर समय रहते कदम उठाए गए होते तो इस राज्य में जातीय हिंसा भयानक रूप नहीं ले पाती। इन सदस्यों ने यह भी कहा कि विपक्ष शासित राज्यों के साथ केंद्र को प्रतिकूल रवैया नहीं अपनाना चाहिए।

गृह मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा में हिस्सा ले रहे शिवसेना के संजय राउत ने कहा ''सदन में गृह मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा हो रही है लेकिन कई सदस्यों ने औरंगजेब पर चर्चा की। यह दुर्भाग्यपूर्ण है और इसके लिए गृह मंत्रालय जिम्मेदार है।'' उन्होंने कहा कि बार बार औरंगजेब का नाम लेकर देश में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश करने वालों में से कुछ लोग महाराष्ट्र में मंत्री हैं और कुछ केंद्र में उच्च पदों पर हैं। ऐसी ताकतों पर रोक लगाना जरूरी है अन्यथा देश एकजुट नहीं रहेगा। राउत ने कहा कि देश में एकता और अखंडता बनाए रखने का काम गृह मंत्रालय का है। उन्होंने दावा किया कि इसके बजाय गृह मंत्रालय दूसरे कई कामों में व्यस्त है और देश को एक तरह से 'पुलिस स्टेट' बना दिया गया है। उन्होंने दावा किया कि मणिपुर तो जल ही रहा है, महाराष्ट्र को भी जला दिया गया।

आईपीएल में अलग स्तर की चुनौती, आपको हमेशा तैयार रहना होगाः वरुण चक्रवर्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। चैंपियंस ट्रॉफी मे भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले 'अबूझ' स्पिनर वरुण चक्रवर्ती का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) पूरी तरह से नई चुनौती पेश करता है, जिसमें उन्हें हर बार नई शुरुआत करने की जरूरत होती है।

भारत की सफलता में चक्रवर्ती का अहम योगदान रहा, उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने पहले मैच में पांच विकेट लिए। उन्होंने टूर्नामेंट में अपने तीन मैचों में नौ विकेट लिए।

चक्रवर्ती पिछली सफलता को आगे बढ़ाने को लेकर सतर्क हैं। उन्होंने शनिवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरू के खिलाफ सत्र के शुरुआती मैच से पहले मीडिया से बातचीत में कहा, '' आत्मविश्वास हर व्यक्ति के लिए अलग होता है। आप भले ही पिछले टूर्नामेंट के विजेता हो लेकिन आपको हर टूर्नामेंट में नई शुरुआत करनी होती है।'' उन्होंने कहा, ''आपको शून्य से शुरू करना होता है। जैसा कि वे कहते हैं, अगर आपने पिछले मैच में शतक बनाया है, तो भी अगली पारी में आपको शून्य से शुरुआत करनी होगी।''

चक्रवर्ती ने कहा, '' हां, मैंने पिछले टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन आईपीएल एक अलग स्तर का खेल है और यह काफी चुनौतीपूर्ण है। मैं अच्छी तरह से जानता हूं कि मेरे सामने क्या आने वाला है।''

आईपीएल 2025 में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगा हार्दिक पंड्या : मार्क बाउचर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मुंबई इंडियंस के पूर्व कोच मार्क बाउचर का मानना है कि आईपीएल के पिछले सत्र में मुश्किल दौर से गुजरने के बाद हार्दिक पंड्या अधिक मजबूत खिलाड़ी बने हैं और इस टूर्नामेंट के शनिवार से शुरू होने वाले नए सत्र में वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रहेंगे।

मुंबई इंडियंस ने पिछले साल रोहित शर्मा की जगह हार्दिक को कप्तान नियुक्त किया था। मुंबई के समर्थकों को यह फैसला नागवार गुजरा और उन्होंने प्रत्येक मैच में हार्दिक को अपने निशाने पर रखा। परिणाम भी मुंबई इंडियंस के अनुकूल नहीं रहे और उसकी टीम अंतिम स्थान पर रही।

इसके बाद हालांकि चीजें तेजी से बदली और हार्दिक ने भारत की टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अब वह क्रिकेट प्रेमियों के चहेते बन गए हैं। हार्दिक को जब पिछले सत्र में मुंबई इंडियंस का कप्तान नियुक्त किया गया तब बाउचर उसके मुख्य कोच थे।

बाउचर ने 'जिओ स्टार एक्सपर्ट' में कहा, ''पिछला सत्र वास्तव में उसके लिए बेहद मुश्किल रहा। वह जब भी मैदान पर कदम रखता दर्शक उसकी हूटिंग करने लग जाते। उसके साथ ऐसा व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए था। वह 100 प्रतिशत सम्मान का हकदार था।'' उन्होंने कहा, ''कोई भी क्रिकेटर नहीं चाहता कि उसके साथ इस तरह का व्यवहार हो लेकिन वह बेहद मजबूत इंसान है। उसने इन सब चीजों को पीछे छोड़कर सफलता हासिल की और अब वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार है।'' भारत और मुंबई इंडियंस के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने भी हार्दिक की जमकर प्रशंसा की और कहा कि खुद पर भरोसा और सकारात्मक रवैया उन्हें अन्य खिलाड़ियों से अलग बनाता है।

हरभजन ने कहा, ''वह बहुत आत्मविश्वास वाला खिलाड़ी है। उसका रवैया बेहद सकारात्मक है। उसे इस बात पर बहुत भरोसा है कि वह कुछ भी कर सकता है। यह ऐसी चीज है जो उसे अन्य से अलग बनाती है।'' उन्होंने कहा, '' यह देखकर वास्तव में अच्छा लगा कि वह पिछले साल के मुश्किल दौर से आगे निकलने में सफल रहा। इस साल वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगा। सभी खराब चीजें अतीत की बातें हैं। यह उसके लिए एक नया साल है।''

आईएमएल का खिताब लगातार तीसरी बार जीतना शानदार उपलब्धि : सचिन तेंदुलकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर ने अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स लीग (आईएमएल) में लगातार तीसरी बार भारतीय टीम के चैंपियन बनने का श्रेय शानदार योजना और टीम वर्क को दिया।

'भारतीय मास्टर्स' ने 16 मार्च को रायपुर में खेले गये फाइनल में अंबाती रायुडू (74) और रंगनाथ विनय कुमार (तीन विकेट) के बेहतरीन खेल के दम पर वेस्टइंडीज मास्टर्स को छह विकेट से हराया था। तेंदुलकर ने खिताबी मुकाबले में 25 रन बनाए थे। तेंदुलकर ने कहा, ''हां, यह एक शानदार उपलब्धि है। यह अच्छी टीमवर्क, उचित योजना बनाने और उसे सफलता से मैदान पर उतारने का परिणाम है। इसलिए लगातार तीन बार चैंपियन बनकर वाकई बहुत अच्छा लग रहा है।'' इस करिश्माई बल्लेबाज ने कहा कि रायपुर के प्रशंसकों के साथ 'फिर से जुड़कर' अच्छा लगा। उन्होंने कहा, ''हम सभी ने कुछ समय पहले सक्रिय क्रिकेट खेलना बंद कर दिया था। लेकिन हमारे समय में खेल का लुत्फ उठाने वालों के साथ नई पीढ़ी से भी जुड़ना शानदार रहा। कुल मिलाकर यह अनुभव बहुत ही सुखद था।'' तेंदुलकर ने टूर्नामेंट के दौरान अपने साथियों के प्रदर्शन की भी प्रशंसा की, जिन्होंने विभिन्न मैचों में अपने खेल का लोहा मनवाया। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि यूसुफ पठान की आक्रामक बल्लेबाजी ने हमें श्रीलंका के खिलाफ बड़ा स्कोर बनाने में मदद की। इरफान ने संगकारा का महत्वपूर्ण विकेट लिया, जो वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। मैच का सबसे महत्वपूर्ण ओवर (अभिमन्यु) मिथुन ने फेंका।''

तेंदुलकर ने कहा, '' ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ युवराज सिंह ने शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने कुछ बड़े शॉट लगाये। फिर गेंदबाजी (शाहबाज) नदीम वाकई बहुत खास थे। उन्होंने महत्वपूर्ण विकेट लिए और इससे हमारी टीम की लय बनी रही।''

सुविचार

तितली महीने की नहीं, बल्कि प्रत्येक क्षण की गिनती करती है। उसके पास पर्याप्त समय होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

... तो आम आदमी कितना सुरक्षित?

कर्नाटक के लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली द्वारा किया गया यह दावा कि राज्य के एक वरिष्ठ मंत्री पर 'हनी ट्रैप' के दो असफल प्रयास किए गए, ऐसी गंभीर समस्या की ओर संकेत करता है, जिससे सरकार को खूब सख्ती से निपटना होगा। जो व्यक्ति जाने-अनजाने में इस 'जाल' में फंसता है, वह भारी नुकसान उठाता है। कुछ मामलों में तो पीड़ित बिल्कुल ही मासूम रहता है, लेकिन शर्मिंदगी के कारण ब्लैकमेल होता है। सोचिए, जब नेतागण ऐसे गिरोहों के निशाने पर हो सकते हैं तो आम आदमी कितना सुरक्षित है? हमने हनी ट्रैप का मुद्दा कई बार उठाया है। हमारे सुरक्षा बलों के अधिकारियों एवं जवानों, वैज्ञानिक तथा शोध संस्थानों से जुड़े लोगों को फंसाने के लिए पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने खूब चालें चली हैं। कभी-कभार लोग उसके जाल में फंस जाते हैं। उसका मकसद भारत की सुरक्षा से जुड़ी गोपनीय जानकारी हासिल करना है। वहीं, भारत में रहकर कुछ गिरोह आम लोगों से लेकर वरिष्ठ नेताओं और अधिकारियों पर 'मोहपाश' फेंक रहे हैं। वे ऐसी हरकतों के जरिए धन ऐंठते हैं, कोई अनुचित काम करवाते हैं या किसी की प्रतिष्ठा पर दाग लगाकर उसे रास्ते से हटाते हैं। यह मानना होगा कि इंटरनेट के दुरुपयोग ने हनी ट्रैप करने वालों का काम बहुत आसान कर दिया है। पिछले दिनों हनी ट्रैप का एक मामला चर्चा में रहा था। किसी बुजुर्ग व्यापारी से एक युवती ने सोशल मीडिया पर दोस्ती कर ली। धीरे-धीरे बात आगे बढ़ी और उसने मिलने के लिए बुलाया। जब वह व्यापारी मिलने गया तो वहां युवती के चार साथी पहले से तैयार बैठे थे। उन्होंने आपत्तिजनक तस्वीरें खींच लीं और धमकी दी कि अगर 40 लाख रुपए नहीं दिए तो तुम्हारी पुरानी चैट्स समेत पूरी सामग्री सोशल मीडिया पर डाल देंगे। व्यापारी ने अपनी जमा-पूंजी का बहुत बड़ा हिस्सा ब्लैकमेलरों के हवाले कर दिया। आखिरकार उसने पुलिस की मदद ली और उसकी जान छूटी।

मेवात में साइबर ठगों ने हनी ट्रैप के जरिए लोगों को लूटने का बड़ा ही खतरनाक तरीका ढूंढ़ निकाला था। वे किसी अनजान व्यक्ति को वीडियो कॉल करते और कैमरे के सामने कोई आपत्तिजनक वीडियो चला देते। जब उधर व्यक्ति वीडियो कॉल उठा लेता तो उसका अलग से वीडियो बना लेते। वे उसे कोई आपत्तिजनक हरकत करने के लिए उकसाते। कुछ लोग उनके उकसावे में आ जाते थे। जब उसकी गतिविधियां रिकॉर्ड हो जातीं तो वीडियो उसे भेजकर ब्लैकमेल किया जाता। बहुत लोग इस जाल में फंसे और अपनी कमाई गंवा बैठे। एक दुकानदार के मोबाइल फोन की घंटी बजी, कोई अनजान नंबर था। थोड़ी देर बाद वीडियो कॉल आया। उसने सोचा कि कोई ग्राहक होगा। सामने एक युवती नजर आई, जो आपत्तिजनक हावभाव कर रही थी। जब तक दुकानदार को कुछ समझ आता, कॉल कट गया। अब वॉट्सऐप पर मैसेज आया कि तुरंत 5,000 रुपए भेजो, अन्यथा तुम्हारा यह वीडियो एक ग्रुप में वायरल कर दिया जाएगा। दुकानदार ने दिए गए क्यूआर कोड पर रुपए भेज दिए। अगले दिन फिर वही मैसेज आया। इस बार रकम बढ़ाकर 20,000 रुपए कर दी गई। दुकानदार डरा हुआ था। उसने ठगों के क्यूआर कोड को स्कैन कर रुपए भेज दिए। इसके बाद तो ठगों की मांग बढ़ती ही गई। हताश दुकानदार लाखों रुपए गंवाने के बाद पुलिस की शरण में पहुंचा। वहां उसे निजात मिली। इसी तरह हनी ट्रैप गिरोह के झांसे में आए एक सुरक्षा गार्ड ने बहुत खौफनाक कदम उठा लिया था। उसके पास रुपए नहीं थे। उसने अपनी जान दे दी! ऐसी घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए जरूरी है कि हनी ट्रैप को बहुत गंभीर अपराध घोषित करते हुए इन हरकतों को अंजाम देने वालों की पकड़-धकड़ में तेजी लाई जाए। उनका पर्दाफाश किया जाए। उन्हें सख्त सज़ा दी जाए। ऐसे दो-चार गिरोहों के खिलाफ जोरदार कार्रवाई हो गई तो बाकी लोगों को सबक मिल जाएगा।

ट्वीटर टॉक

राज्यपाल श्री हरिभाऊ किसनराव बागड़े जी की गरिमामय उपस्थिति से सुशोभित जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह में वर्चुअली प्रतिभाग किया। युवा प्रतिभाओं के समक्ष देश-दुनिया विशेषकर वर्तमान परिवर्तन के संदर्भ में संवाद का यह अवसर रहा।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

एक'मोदी की गारंटी' झूठ का पुलिंदा बन रही है, किसानों का शोषण ही भाजपा के शासन की सच्चाई है। मुख्यमंत्री की क़लम में किसानों के लिए ताकत क्यों नहीं है? केंद्र और राज्य दोनों जगह भाजपा की सरकार है, फिर मुख्यमंत्री किसान हित में कोई फ़ैसला क्यों नहीं कर पा रहे हैं?

-गोविंदसिंह डोटासरा

अपने भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए जो लोग भाषा के नाम पर अपनी दुकान चलाते हैं, उनको ये मजबूत जवाब है। ये क्या कहते हैं कि हम दक्षिण की भाषाओं के विरोधी हैं, कैसे हो सकते हैं, हम भी तो वहीं से आते हैं... मैं गुजरात से आता हूं, निर्मला जी तमिलनाडु से आती हैं।

-अमित शाह

प्रेरक प्रसंग

स्वयं की खोज

एक गृहस्थ ब्राह्मण थे, जो शिष्यों से पूजा-पाठ संपन्न कराते और जीवन की गाड़ी चलाते थे। एक बार किसी ने उनसे पूछा, 'क्या आपने कभी स्वयं की तलाश की है?' इस प्रश्न ने उन्हें विचलित कर दिया। उन्होंने मन ही मन खुद को तलाशने का निर्णय कर लिया। उसी दिन से वे खुद को तलाशने की साधना में जुट गए। इस बीच उनकी पत्नी ने घर का राशन-पानी लाने की बात कही। इस पर वे क्रोध में आकर कहने लगे, 'मैं यहां खुद को तलाशने की साधना में जुटा हुआ हूं, और तुम यह फालतू के काम बता रही हो।' पत्नी का माथा ठनका। वह बोली, 'पतिदेव, स्वयं को खोजा नहीं जा सकता। कर्म और कर्तव्य से विमुख होकर तपस्या करने से स्वयं का ज्ञान नहीं मिलता, बल्कि यह कर्तव्य पूरे करने से हासिल होता है। यह फूलों से निकलने वाली सुगंध की तरह है, जो आसपास के वातावरण को खुशनुमा कर देती है।' ब्राह्मण को पत्नी की इस बात पर गहराई से विचार करने का अवसर मिला। ब्राह्मण ने विचार किया कि पत्नी ने स्वयं को खोज लिया है। वह अधिक स्पष्ट है। अब साफ हो गया था कि जीवन में संतुलन न बिठा पाने के कारण वे डगमगा गए थे।

सामयिक

क्या भविष्य में परस्पर संघर्ष का कारण बनेगा जल?

नृपेन्द्र अभिषेक नृप
मोबाइल : 9955818270

जल, जो जीवन का आधार है, अब केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं रहा, बल्कि वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। औद्योगीकरण, बढ़ती जनसंख्या और जलवायु परिवर्तन के कारण जल संसाधनों की उपलब्धता पर दबाव बढ़ता जा रहा है। सीमित जल संसाधनों के असमान वितरण और इनके नियंत्रण को लेकर विभिन्न देशों के बीच तनाव बढ़ रहे हैं। ऐसे में जल कूटनीति की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि यह सुनिश्चित कर सकती है कि जल संसाधनों का न्यायसंगत उपयोग हो और इससे संबंधित संभावित विवादों को कूटनीतिक माध्यमों से हल किया जाए। लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या जल भविष्य में संघर्षों का कारण बन सकता है? वर्तमान वैश्विक परिदृश्य को देखते हुए यह स्पष्ट है कि जल संकट केवल एक स्थानीय समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भी महत्वपूर्ण स्थान रखता है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2025 तक विश्व की आधी से अधिक आबादी जल संकट का सामना कर सकती है। वहीं, 2040 तक जल उपलब्धता में 40 प्रतिशत तक की कमी आने की आशंका जताई जा रही है। ऐसे में जल संसाधनों के प्रबंधन को लेकर विभिन्न देशों के बीच सहयोग की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। लेकिन जल संकट की गंभीरता को देखते हुए यह भी संभव है कि यदि उचित जल कूटनीति नहीं अपनाई गई, तो भविष्य में यह संघर्षों का कारण बन सकता है।

जल कूटनीति का तात्पर्य उन सभी नीतियों और रणनीतियों से है, जो जल संसाधनों के न्यायसंगत प्रबंधन और जल-संबंधी विवादों के शांतिपूर्ण समाधान हेतु अपनाई जाती हैं। यह एक ऐसा माध्यम है, जिसके द्वारा सीमावर्ती देशों के बीच साझा जल संसाधनों के उपयोग को संतुलित किया जा सकता है। यह केवल जल वितरण तक सीमित नहीं, बल्कि इसमें जल संरक्षण, जल पुनर्चक्रण और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए समन्वित प्रयास भी शामिल होते हैं। यदि इतिहास को देखा जाए, तो यह स्पष्ट होता है कि जल को लेकर संघर्ष कोई नई बात नहीं है। प्राचीन सभ्यताओं में भी जल स्रोतों पर नियंत्रण को लेकर विवाद होते रहे हैं। हाल के वर्षों में यह समस्या और जटिल हो गई है, क्योंकि अब जल संसाधनों का उपयोग केवल पेयजल और कृषि तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ऊर्जा उत्पादन और औद्योगिक आवश्यकताओं के लिए भी जल की मांग तेजी से बढ़ रही है। यही कारण है कि विभिन्न देशों के बीच जल को लेकर कूटनीतिक संबंध जटिल होते जा रहे हैं।

सीमा-पार जल संसाधनों के प्रबंधन को लेकर विभिन्न देशों के बीच विवाद लंबे समय से चले आ रहे हैं। उदाहरण के लिए, भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि 1960 में हुई थी, जिसके तहत सिंधु नदी प्रणाली की नदियों का बंटवारा किया गया। हालांकि यह संधि अब तक प्रभावी रही है, लेकिन हाल के वर्षों में इसके उल्लंघन को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा है। इसी प्रकार, चीन और भारत के बीच बहने वाली ब्रह्मपुत्र नदी को लेकर भी विवाद है। चीन द्वारा ब्रह्मपुत्र पर बांध निर्माण की योजनाएँ भारत और बांग्लादेश के लिए चिंता का कारण बनी हुई हैं, क्योंकि इससे इन देशों में जल की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। मध्य पूर्व और अफ्रीका में जल संघर्षों की स्थिति और भी गंभीर है। मिस्र, इथियोपिया और सूडान के बीच नील नदी के जल बंटवारे को लेकर तनाव बढ़ता जा रहा है। इथियोपिया द्वारा ग्रैंड इथियोपियन रेनेसांस डैम (जीईआरडी) के निर्माण ने मिस्र और सूडान को चिंतित कर दिया है, क्योंकि इससे नील

नदी के जल प्रवाह पर असर पड़ सकता है। इसी प्रकार, जॉर्डन नदी को लेकर इज़राइल, फिलिस्तीन, लेबनान और जॉर्डन के बीच विवाद लंबे समय से चला आ रहा है।

जलवायु परिवर्तन भी जल संघर्षों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण हिमालय और आल्प्स जैसी पर्वतमालाओं के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे नदियों में जल प्रवाह प्रभावित हो रहा है। कुछ क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा और बाढ़ आ रही है, जबकि अन्य स्थानों पर भीषण सूखा पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में जल संसाधनों का असमान वितरण संघर्षों को जन्म दे सकता है। जनसंख्या वृद्धि भी जल संकट को बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभा रही है। 2050 तक विश्व की जनसंख्या 9.7 अरब तक पहुँचने की संभावना है, जिससे जल की मांग अत्यधिक बढ़ जाएगी। वर्तमान में कृषि में 70 प्रतिशत से अधिक मीठे जल का उपयोग किया जाता है, लेकिन जल की बढ़ती मांग को देखते हुए भविष्य में कृषि और उद्योगों के लिए जल की उपलब्धता सुनिश्चित करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। यदि जल संसाधनों का कुशल प्रबंधन नहीं किया गया, तो यह देशों के बीच टकराव का कारण बन सकता है।

जल केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि एक रणनीतिक संसाधन भी बन चुका है। कुछ देशों द्वारा जल संसाधनों को एक हथियार के रूप में उपयोग किए जाने की संभावना भी बढ़ रही है। उदाहरण के लिए, यदि कोई देश अपनी सीमा में बहने वाली नदी पर बांध बनाकर जल प्रवाह को रोकता है, तो यह दूसरे देश के लिए गंभीर संकट पैदा कर सकता है। ऐसे में जल कूटनीति की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। जल संघर्षों से बचने के लिए जल कूटनीति को प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। इसके तहत सीमा-पार जल संधियों को मजबूत बनाया जाना चाहिए, ताकि सभी पक्षों के हितों की रक्षा हो सके। इसके अलावा, जल संरक्षण और प्रबंधन की तकनीकों को बढ़ावा देना आवश्यक है। वर्षा जल संचयन, जल पुनर्चक्रण और जल-कुशल कृषि पद्धतियों को अपनाकर जल संकट को कम किया जा सकता है।

भारत को भी अपनी जल कूटनीति को अधिक प्रभावी बनाना होगा। सिंधु जल संधि, गंगा जल संधि और ब्रह्मपुत्र जल विवाद जैसे मुद्दों पर सक्रिय कूटनीति अपनाने की आवश्यकता है। भारत को चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ जल सहयोग बढ़ाना चाहिए, ताकि भविष्य में जल संबंधी विवादों से बचा जा सके। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक और अन्य बहुपक्षीय संस्थाएँ जल विवादों को हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। यदि देशों के बीच जल समझौतों का पालन किया जाए और जल संसाधनों के सतत प्रबंधन को प्राथमिकता दी जाए, तो जल संघर्षों को रोका जा सकता है। यह स्पष्ट है कि जल भविष्य में संघर्षों का कारण बन सकता है, यदि जल संसाधनों का उचित प्रबंधन नहीं किया गया। जल केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। इसे बचाने और न्यायसंगत रूप से वितरित करने की दिशा में सभी देशों को मिलकर काम करना होगा। यदि जल कूटनीति को प्रभावी बनाया जाए और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा दिया जाए, तो जल संघर्षों को टाला जा सकता है और जल को शांति और सहयोग का माध्यम बनाया जा सकता है।

विशेष

जल संरक्षण के लिए अभी नहीं तो कभी नहीं

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584

जल संकट दुनिया के लगभग सभी देशों की एक विकट समस्या बन चुका है। हालांकि पृथ्वी का करीब तीन चौथाई हिस्सा पानी से लबालब है लेकिन धरती पर मौजूद पानी के विशाल स्रोत में से महज एक-डेढ़ फीसदी पानी ही ऐसा है, जिसका उपयोग पेयजल या दैनिक क्रियाकलापों के लिए किया जाना संभव है। इसीलिए जल संरक्षण और रखरखाव को लेकर दुनियाभर में लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिवर्ष 22 मार्च को 'विश्व जल दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस मनाए जाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 1992 में रियो द जेनेरियो में आयोजित पर्यावरण तथा विकास का संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन' (यूएनसीईडी) में की गई थी। संयुक्त राष्ट्र की उसी घोषणा के बाद पहला विश्व जल दिवस 22 मार्च 1993 को मनाया गया था। सही मायनों में यह दिन जल के महत्व को जानने, समय रहते जल संरक्षण को लेकर सचेत होने तथा पानी बचाने का संकल्प लेने का दिन है। विश्व जल दिवस 2025 की थीम है 'ग्लेशियर संरक्षण'। ग्लेशियर दुनियाभर में मीठे पानी को उपलब्धता के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं लेकिन मानवीय गतिविधियों के कारण ये तेजी से पिघल रहे हैं। दुनियाभर में इस समय करीब दो अरब लोग ऐसे हैं, जिन्हें स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो रहा और साफ पेयजल उपलब्ध नहीं होने के कारण लाखों लोग बीमार होकर असमय काल का ग्रास बन जाते हैं।

'इंटरनेशनल एटोमिक एनर्जी एजेंसी' का कहना है कि पृथ्वी पर उपलब्ध पानी की कुल मात्रा में से मात्र तीन प्रतिशत पानी ही स्वच्छ बचा है और उसमें से भी करीब दो प्रतिशत पानी पहाड़ों व ध्रुवों पर बर्फ के रूप में जमा है जबकि शेष एक प्रतिशत पानी का उपयोग ही पेयजल, सिंचाई, कृषि तथा उद्योगों के लिए किया जाता है। बाकी पानी खारा होने अथवा अन्य कारणों की वजह से उपयोगी अथवा जीवनदायी नहीं है। पृथ्वी पर उपलब्ध पानी में से इस एक प्रतिशत पानी में से भी करीब 95 फीसदी पानी भूमिगत जल के रूप में पृथ्वी की निचली परतों में उपलब्ध है और बाकी पानी पृथ्वी पर सतही जल के रूप में तालाबों, झीलों, नदियों अथवा नहरों में तथा मिट्टी में नमी के रूप में उपलब्ध है। स्पष्ट है कि पानी की हमारी अधिकांश आवश्यकताओं की पूर्ति भूमिगत जल से ही होती है लेकिन इस भूमिगत जल की मात्रा भी इतनी नहीं है कि इससे लोगों की आवश्यकताएं पूरी हो सकें। वैसे भी जनसंख्या की रफ्तार तो तेजी से बढ़ रही है किन्तु भूमिगत जलस्तर बढ़ने के बजाय घट रहा है, ऐसे में पानी की कमी का संकट तो गहराना ही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस समय दुनियाभर में करीब तीन बिलियन लोगों के समक्ष पानी की समस्या मुंह बाये खड़ी है और विकासशील देशों में तो यह समस्या कुछ ज्यादा ही विकराल हो रही है, जहां करीब 95 फीसदी लोग इस समस्या को झेल रहे हैं।

विश्वभर में तेजी से उभरती पानी की कमी की समस्या भविष्य में खतरनाक रूप धारण कर सकती है, इसीलिए अधिकांश विशेषज्ञ आशंका जताने लगे हैं कि जिस प्रकार तेल के लिए खाड़ी युद्ध होते रहे हैं, जल संकट बरकरार रहने या और बढ़ते जाने के कारण आने वाले वर्षों में पानी के लिए भी विभिन्न देशों के बीच युद्ध लड़े जाएंगे और हो सकता है कि अगला विश्व युद्ध भी पानी के मुद्दे को लेकर ही लड़ा जाए। संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान भी पूरी दुनिया को चेता चुके हैं कि उन्हें इस बात का डर है कि आगामी वर्षों में पानी की कमी गंभीर संघर्ष का कारण बन सकती है। इसीलिए यह समय की सबसे बड़ी मांग है कि दुनियाभर में लोग बेशकीमती पानी की महत्ता को समय रहते समझें और इसके संरक्षण हर स्तर पर अपना योगदान दें। दरअसल पानी का अंधाधुध दोहन करने के साथ-साथ हमने नदी, तालाबों, झरनों इत्यादि अपने पारम्परिक जलस्रोतों को भी दूषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। कहा जाता रहा है कि भारत ऐसा देश है, जिसकी गोद में कभी हजारों नदियां खेलती थी लेकिन आज इन हजारों नदियों में से सैकड़ों ही शेष बची हैं और वे भी अच्छी हालत में नहीं हैं। हर गांव-मौहल्ले में कुएं और तालाब हुआ करते थे, जो अब पूरी तरह गायब हो गए हैं।

महत्वपूर्ण प्रश्न यही है कि पृथ्वी की सतह पर उपयोग में आने लायक पानी की मात्रा वैसे ही बहुत कम है और यदि भूमिगत जल स्तर भी निरन्तर गिर रहा है तो हमारी पानी की आवश्यकताएं कैसे पूरी होंगी? इसके लिए हमें वर्षा के पानी पर आश्रित रहना पड़ता है किन्तु वर्षा के पानी का भी सही तरीके से संग्रहण नहीं हो पाने के कारण ही इसका भी समुचित उपयोग नहीं हो पाता। वर्षा के पानी का करीब 15 फीसद वाष्प के रूप में उड़ जाता है और करीब 40 फीसद पानी नदियों में बह जाता है जबकि शेष पानी जमीन द्वारा सोख लिया जाता है, जिससे थोड़ा बहुत भूमिगत जल स्तर बढ़ता है और मिट्टी में नमी की मात्रा में कुछ बढ़ोतरी होती है। इसलिए यदि हम वर्षा के पानी का संरक्षण किए जाने की ओर खास ध्यान दें तो व्यर्थ बहकर नदियों में जाने वाले पानी का संरक्षण कर उससे पानी की कमी की पूर्ति आसानी से की जा सकती है और इस तरह जल संकट से काफी हद तक निपटा जा सकता है।

पानी को मानव की मूलभूत आवश्यकता, अमूल्य राष्ट्रीय धरोहर व अति विशिष्ट प्राकृतिक संसाधन मानते हुए 198% में जल संसाधनों के नियोजन एवं विकास के लिए राष्ट्रीय जल नीति' घोषित की गई थी। इसके क्रियान्वयन के मामले में और तेजी लाने की जरूरत है। राष्ट्रीय जल नीति की घोषणा करते समय कहा गया था कि देश में उपलब्ध जल संसाधनों के विकास, संरक्षण, समुचित उपयोग एवं प्रबंधन के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाएंगे और जरूरी कदम उठाए जाएंगे। देश में जल संकट के विकराल रूप धारण करते जाने के पीछे जनसंख्या विस्फोट के साथ-साथ पानी की उपलब्धता में हो रही कमी तो जिम्मेदार है ही, इसके अलावा पानी का दुरुपयोग, कुप्रबंधन एवं दूषित होता पेयजल आदि और भी कई ऐसी वजहें हैं, जो समस्या को विकराल बना रही हैं। हमें यह भली-भांति समझना होगा कि पानी प्रकृति की अमूल्य देन है और हम स्वयं पानी का निर्माण नहीं कर सकते। विकराल होते जल संकट का समाधान तभी संभव है, जब आमजन में इस दिशा में जागरूकता पैदा करने के अपेक्षित प्रयास किए जाएं तथा सरकारी प्रयासों के साथ-साथ हर नागरिक भी पानी की एक-एक बूंद बचाने के लिए अपने-अपने स्तर पर प्रयास करे।

नजरिया

अमृत है यह पानी, इसे व्यर्थ न गंवाएं

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 8949519406

विश्व जल दिवस प्रतिवर्ष 22 मार्च को मनाया जाता है। पेयजल संकट को दूर करने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने 1992 में 22 मार्च को विश्व जल दिवस के रूप में मनाने का निश्चय किया था। वर्ष 2025 के विश्व जल दिवस की थीम पर्वतीय जल और क्रायोस्फीयर रखी गई हैं। यह दिवस सुरक्षित पानी तक पहुंच के बिना रहने वाले 2.2 अरब लोगों के वैश्विक जल संकट से निपटने के लिए कार्रवाई करने के बारे में है। आज विश्व में सर्वत्र जल का संकट व्याप्त है। विश्व में चहुंमुखी विकास का दिग्दर्शन हो रहा है। किंतु स्वच्छ जल मिल पाना कठिन हो रहा है। साफ जल की अनुपलब्धता के चलते ही जल जनित रोग महामारी का रूप ले रहे हैं। इंसान जल की महत्ता को लगातार भूलता गया और उसे बर्बाद करता रहा, जिसके फलस्वरूप आज जल संकट सबके सामने है। पृथ्वी का तीन चौथाई भाग पानी से ढका है मगर इस जल का 99 प्रतिशत पानी पिया नहीं जा सकता और पीने योग्य पानी पृथ्वी पर मात्र एक प्रतिशत ही है जो नदियों, तालाबों, झीलों में ही मौजूद है हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार जल, टिकाऊ विकास के लिए बेहद अहम है। सुरक्षित व स्वच्छ पानी तक पहुँच एक बुनियादी मानव अधिकार है। आज जल संकट एक वैश्विक चुनौती है। वर्तमान में, विश्व भर में अरबों लोगों की स्वच्छ पानी उपलब्ध नहीं है। हर साल अनुमानतः

आठ लाख लोगों की मौत, ऐसी बीमारियों के कारण हो जाती है जो असुरक्षित पानी, अपर्याप्त स्वच्छता और साफ़-सफ़ाई की कम आदतों के कारण फैलती हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत सहित कई देशों में पानी का संकट लगातार बढ़ता जा रहा है। णछ की एक रिपोर्ट के अनुसार 2050 तक भारत दुनिया में पानी की सबसे बड़ी समस्या होगी। पानी की कमी भी भारत के पड़ोसी देशों चीन और पाकिस्तान में होगी। णछ की एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में 1.7 से 2.40 अरब शहरी लोग पानी के संकट से जूझेंगे।

दुनिया का 70 फीसदी हिस्सा पानी से घिरा है, लेकिन उसमें से पीने योग्य पानी लगभग तीन फीसदी ही है। 97 फीसदी पानी ऐसा है जो पीने लायक ही नहीं है। अब तीन फीसदी पानी पर पूरी दुनिया जीवित है। जल संसाधन मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में एक वर्ष में उपयोग किए जाने वाले जल की शुद्ध मात्रा अनुमानित 1,121 बिलियन क्यूबिक मीटर है। जबकि वर्ष 2025 में पीने वाले पानी की मांग 1093 और 2050 तक बढ़कर 144% बीसीएम तक पहुंच सकती है। 1.35 अरब से अधिक की आबादी के बावजूद भारत के पास दुनिया के ताजे जल संसाधन का केवल 4 प्रतिशत ही है। वहीं संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में जल संकट लगातार गहराता जा रहा है। कई राज्य हैं जो भूजल की कमी के चरम बिंदु को पार कर चुके हैं। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया कि उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में 2025 तक गंभीर रूप से भूजल संकट गहरा सकता है। जल के बिना मानव जिन्दा नहीं रह सकता। क्योंकि मानव शरीर का एक बड़ा हिस्सा जल होता है। यह सब मानव को मालूम होते हुए भी जल को बिना सोचे-विचारे हमारे जल-स्रोतों में ऐसे पदार्थ मिला रहा है जिसके मिलने से जल प्रदूषित हो रहा है। जल हमें नदी, तालाब, कुएँ, झील आदि से प्राप्त हो रहा है। जल की उपलब्धता को लेकर वर्तमान में भारत ही नहीं अपितु समूचा विश्व चिन्तित है। जल ही जीवन है। जल के बिना सृष्टि की कल्पना नहीं की जा सकती। मानव का अस्तित्व जल पर निर्भर करता है।

भूजल की वर्तमान स्थिति को सुधारने के लिये भूजल का स्तर और न गिरे इस दिशा में काम किए जाने के अलावा उचित उपायों से भूजल संवर्धन की व्यवस्था हमें करनी होगी। पानी की कमी के चलते निरन्तर खोदे जा रहे गहरे कुओं और ट्यूबवेलों द्वारा भूमिगत जल का अन्धाधुन्ध दोहन होने से भूजल का स्तर निरन्तर घटता जा रहा है। देश में जल संकट का एक बड़ा कारण यह है कि जैसे-जैसे सिंचित भूमि का क्षेत्रफल बढ़ता गया वैसे-वैसे भूगर्भ के जल के स्तर में गिरावट आई है। भूजल दोहन के अंधाधुंध दुरुपयोग को यदि समय रहते रोका नहीं गया, तो आने वाली पीढियों को इसके भयानक परिणाम भुगतने होंगे। सरकार को जनता में जागरूकता लाने के लिए विशेष प्रबन्ध और उपाय करने होंगे। आवश्यकता इस बात की है कि हम जल के महत्व को समझे और एक-एक बूंद पानी का संरक्षण करें तभी लोगों की प्यास बुझाई जा सकेगी।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मुलाकात

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में नाश्ते के लिए सांसदों की मेजबानी करने से पहले उनका अभिवादन किया।

गुरुग्राम में 'विंटेज कार शो' में आकर्षण का केंद्र रही 'लाल परी' एमजी रोडस्टर

गुरुग्राम/भाषा। हाल में गुरुग्राम में विशाल गोल्फ लिंक में आयोजित 'विंटेज कार शो' '21 गन सैल्यूट कॉन्कोर्स डी एलिगेंस' के 11वें चरण में लगभग 125 पुरानी कारें और 50 पुरानी मोटरसाइकिलें मौजूद थीं लेकिन मिलेनियम सिटी के गोल्फ कोर्स में आकर्षण का केंद्र रही 1950 की विंटेज एमजी रोडस्टर 'लाल परी'।

इस शो में महाराजा कारों से लेकर खूबसूरत क्लासिक कारें मौजूद थीं जो ऑटोमोबाइल प्रेमियों के लिए किसी तीर्थस्थल से कम नहीं था। शो में 1903 डी डायन बोटोन (प्रदर्शित की गई सबसे पुरानी कार), 1917 फोर्ड मॉडल टी रोडस्टर, 1935 कैडिलैक फ्लीटवुड और 1948 बेंटले मार्क ड्रॉपहेड कूप (मूल रूप से बड़ौदा की महारानी के लिए बनाई गई थी) सहित अन्य दुर्लभ कारें मौजूद थीं।

'लाल परी' एमजी रोडस्टर के लिए यह घर वापसी का पल था जो 13 देशों में लगभग 13,500 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद अक्टूबर 2023 में ब्रिटेन पहुंची थी और अब इस कार शो में कार प्रेमियों को लुभा रही थी।

अहमदाबाद के दमन ठाकोर 'लाल परी' के मालिक हैं जिन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को लेकर 70 से ज्यादा दिन तक इसमें ब्रिटेन तक यात्रा की। उनकी पत्नी, पिता और बेटी इस दौरे पर उनके साथ थे और ऑक्सफोर्डशर के एबिंगडन के लोगों ने उनका स्वागत किया। यह जगह कई दशकों तक मॉरिस गैरेजेस का घर थी और 100 साल से अधिक पुरानी इस कंपनी ने ही 'लाल परी' को बनाया था।

और 75 साल बाद भी 'लाल परी' लोगों का दिल जीत रही है और उन्हें आकर्षित कर रही है। इसका प्रमाण यह है कि उसे '21 गन सैल्यूट कॉन्कोर्स डी'एलिगेंस के 11वें संस्करण में पुरस्कार मिला।

अहमदाबाद में रहने वाले 49 वर्षीय ठाकोर ने दो साल पहले अपनी बेशकीमती कार और दुनिया भर में उसकी अद्भुत यात्रा को याद करते हुए यहां 'पीटीआई' को बताया, ''यह 'लाल परी' है। जब मैं तीन साल का था, तब मेरे पिता ने यह कार मेरे लिए खरीदी थी। और तब से हम इसके साथ बड़े हुए हैं। हम हर जगह इसमें ही जाते हैं और यहां तक कि यह मेरी शादी के जश्न (2000 में) का भी हिस्सा रही। मेरी पत्नी की मायके से विदाई इसी कार में हुई थी। ''

ठाकोर ने बताया लगभग 10 साल पहले परिवार ने इस एमजी कार को नया जीवन देने के बारे में सोचा। उन्होंने कहा, ''हम इसे देखते हुए बड़े हुए और इसने हमें बहुत खुशी दी है इसलिए हमने इसकी हालत सही करने के बारे में सोचा। तभी विचार आया कि हम इसे वापस उसी फैक्ट्री में क्यों नहीं ले जा सकते जहां इसे मूल रूप से बनाया गया था। ''

ठाकोर ने कहा, ''फिर सड़क के रास्ते से 'भारत से लंदन' कार यात्रा की बात शुरू हुई और परिवार की तीन पीढ़ियां इस कार में संयुक्त अरब अमीरात से ब्रिटेन तक पहुंचीं। '' उन्होंने कहा, ''सफर हमारे घर अहमदाबाद से शुरू हुआ, हम मुंबई गए।

गबार्ड की भारत यात्रा मजबूत अमेरिका-भारत संबंधों को दर्शाती है : डीएनआई

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड की भारत यात्रा दशकों पुराने मजबूत अमेरिका-भारत संबंधों को दर्शाती है, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मित्रता से बल मिला है। अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशालय (डीएनआई) ने एक बयान में यह टिप्पणी की। गबार्ड बतौर अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक विभिन्न देशों की अपनी पहली यात्रा पर थीं। उन्होंने हवाई, जापान, थाईलैंड, भारत और फ्रांस की यात्रा की। डीएनआई की ओर से बृहस्पतिवार को जारी बयान में कहा गया, ''हिंद-प्रशांत क्षेत्र में जन्मी और पली-बढ़ी गबार्ड में इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण साझेदारियों और जटिल चुनौतियों की गहरी समझ है तथा उन्होंने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में राष्ट्रपति ट्रंप की 'अमेरिका प्रथम' नीतियों को आगे बढ़ाने के अवसरों को खंगाला है।''

भारत में गबार्ड ने प्रधानमंत्री मोदी समेत कई नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। बयान में कहा गया है, ''अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड की भारत यात्रा दशकों पुराने मजबूत अमेरिका-भारत संबंधों को दर्शाती है, जिसे प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व एवं उनकी मित्रता से बल मिला है।''

भारत, पाकिस्तान के रिश्ते इतिहास के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे : कसूरी

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री खुर्शीद महमूद कसूरी ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान के रिश्ते मौजूदा वक्त में युद्ध के समय को छोड़कर इतिहास के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि द्विपक्षीय संबंधों में अचानक सकारात्मक बदलाव भी आ सकते हैं। इंस्टीट्यूट ऑफ पीस एंड कनेक्टिविटी (आईपीएसी) की ओर से बृहस्पतिवार रात लाहौर में 'पाकिस्तान-भारत संबंध : वर्तमान स्थिति और आगे की राह' विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम में कसूरी ने कहा कि आपसी बातचीत ही दोनों देशों के लिए अपने लंबित मुद्दों को सुलझाने का एकमात्र जरिया है। मौजूदा समय को भारत-पाकिस्तान के रिश्ते के लिहाज से इतिहास के सबसे बुरे दौर में एक से करार देते हुए कसूरी ने कहा कि यहां तक कि युद्ध के बाद भी नई दिल्ली और इस्लामाबाद शांति प्रक्रिया को फिर से शुरू करने के लिए जल्द ही बातचीत की मेज पर आ गए। आईपीएसी के अध्यक्ष कसूरी ने कहा कि अगर दोनों देश आपसी विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने का मौका चूक जाते हैं, तो यह दुख की बात होगी, क्योंकि उनके पास कश्मीर मुद्दे के संभावित समाधान के लिए चार सूत्री फॉर्मूले के रूप में पहले से ही एक सहमत खाका मौजूद है।

साल 2002 से 2007 तक विदेश मंत्री रहे कसूरी स्पष्ट रूप से पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ की ओर से भारतीय नेतृत्व को कथित तौर पर सुझाए गए समाधान का जिक्र कर रहे थे। कसूरी ने इस बात को रेखांकित किया कि उन्होंने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकारों के साथ शांति प्रक्रिया पर काम किया। उन्होंने कहा कि इसलिए उन्हें पूरा यकीन है कि मौजूदा निराशाजनक स्थिति के बावजूद भारत की अधिकांश जनता पाकिस्तान के साथ शांति चाहती है। कसूरी ने कहा कि चुनौतियों और मौजूदा टकराव के बावजूद उनके अनुभव ने उन्हें सिखाया है कि पाकिस्तान-भारत संबंधों में अचानक सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे करगिल युद्ध के सूत्रधार कहलाने वाले मुशर्रफ का बाद में नई दिल्ली में गर्मजोशी से स्वागत किया गया था। कसूरी ने कहा कि इसी तरह, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2015 में लाहौर में पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से मुलाकात करके सबको चौंका दिया था। जाहिर तौर पर हिंगलाज माता मंदिर में दर्शन के लिए और उनके बाद में शांति प्रक्रिया को फिर से शुरू करने के वास्ते प्रधानमंत्री इमरान खान से मिलने के लिए इस्लामाबाद जाने की संभावना थी।

बोमन ईरानी ने परिवार के साथ पारसी नववर्ष मनाया

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता- निर्देशक बोमन ईरानी ने घर पर अपने करीबी परिवार के साथ पारसी नववर्ष (नवरोज) मनाया और सोशल मीडिया पर एक प्यारा और मजेदार वीडियो शेयर किया। वीडियो में जश्न के खूबसूरत पल दिखाए गए हैं।बोमन के घर में खुशी का माहौल था क्योंकि पूरा परिवार एक साथ था, जिसमें उनका पोता और उनके प्यारे छोटे परिवार के सदस्य भी शामिल थे। उन्होंने एक साथ प्रार्थना की, हंसी-मजाक किया और स्वादिष्ट मिठाइयों और व्यंजनों का आनंद लिया। वीडियो के ज़रिए दिन की खुशियों भरी ऊर्जा को महसूस किया जा सकता था। वीडियो में बोमन ईरानी ने कहा,नवरोज वसंत विषुव का दिन है। हम सामने खड़े होकर जो कुछ उसने हमें दिया है, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद देते हैं और जो कुछ वह हमें देने वाला है, उसके लिए भी बहुत-बहुत धन्यवाद देते हैं। परिवार के साथ नई शुरुआत - और अब यह सभी का नवरोज बन गया है। उन्होंने अपने वीडियो के साथ एक मजेदार कैप्शन भी लिखा,यह साल का वह समय फिर से आ गया है - जब हमारा दिल भरा हुआ है, हमारी प्लेटें भरी हुई हैं, और हमारे संकल्प पुलाव दार की तरह ही लंबे समय तक चलते हैं! मेरे परिवार, दोस्तों और उन सभी अद्भुत लोगों को नवरोजमुबारक, जिनके साथ मैंने यह यात्रा साझा की है... प्यार, हंसी और शायद कम कैलोरी (मैं किससे मजाक कर रहा हूँ?) का एक साल हो बोमन की पोस्ट ने कई लोगों के चेहरे पर मुस्कान ला दी और सभी को याद दिलाया कि त्योहारों को प्यार, हंसी और परिवार के साथ मनाना सबसे अच्छा होता है।

सिंगिंग डेब्यू पर मन्नारा चोपड़ा बोलीं, संगीत मेरे दिल के करीब

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री, बिग बॉस की पूर्व कंटेस्टेंट मन्नारा चोपड़ा सिंगिंग में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। 'अजीब दास्तान' में वह अपनी आवाज देती नजर आएंगी। गाने को आवाज देने के साथ ही मन्नारा ने म्यूजिक वीडियो के कुछ हिस्सों का निर्देशन भी किया है, जिसमें न्यूयॉर्क शहर की शानदार पृष्ठभूमि पर तैयार पुरानी दुनिया की धुनों के आकर्षण को खूबसूरती से दिखाया गया है। इस नए काम को लेकर उत्साहित मन्नारा ने कहा, संगीत हमेशा मेरे दिल के करीब रहा है। यह गीत इसलिए खास है, क्योंकि इसमें क्लासिक्स के प्रति मेरे प्यार को मेरे अपने कलात्मक स्पर्श के साथ मिलाया गया है। मैं कुछ ऐसा बनाना चाहती थी, जो व्यक्तिगत होने के साथ-साथ यूनिवर्सल भी लगे और मुझे उम्मीद है कि लोग इससे उसी तरह जुड़ेंगे, जैसे मैं जुड़ती आई हूं।

'अजीब दास्तान है ये' मूल रूप से 1960 की फिल्म 'दिल अपना और प्रीत पराई' से है, जिसमें मीना कुमारी, राजकुमार, जे. ओम प्रकाश, नादिरा, हेलेन और नाज ने अभिनय किया। इस गाने को दिवंगत गायिका लता मंगेशकर ने गाया है और इसे शैलेंद्र ने लिखा है। 33 वर्षीय अभिनेत्री मन्नारा का जन्म हरियाणा के अंबाला कैंटोनमेंट में हुआ था, उन्होंने 40 से अधिक विज्ञापनों में काम किया है। अभिनय की शुरुआत से पहले वह एक फैशन डिजाइनर और सहायक कोरियोग्राफर के रूप में भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने हिप हॉप और बेली डांसिंग जैसे नृत्य रूपों में प्रशिक्षण लिया। मन्नारा ने 2014 में अभिनय की दुनिया में कदम रखा और तेलुगू, तमिल, हिंदी और कन्नड़ जैसी विभिन्न भाषाओं की फिल्मों में काम किया। उन्होंने श्रीराम चंद्रा के साथ 2014 की तेलुगू फिल्म 'प्रेमा गीमा जंता नाई' से अपने अभिनय की शुरुआत की। उन्होंने अनुभव सिन्हा की 'जिद' से हिंदी में शुरुआत की, जिसमें उनके साथ करणवीर शर्मा भी थे। 2015 में चोपड़ा ने दो तमिल फिल्मों के एक गाने में विशेष भूमिका निभाई थी। मन्नारा 'थिक्का' में साई धरम तेज के साथ मुख्य भूमिका भी निभाई। मन्नारा 2017 में 'रॉग' से कन्नड़ फिल्म में डेब्यू कर चुकी हैं।

वह साल 2023 में सलमान खान के शो 'बिग बॉस' के 17वें सीजन में शामिल हुई थीं। इस शो के बाद वह लोकप्रिय हो गईं। शो की वह दूसरी रनर-अप रहीं और विजेता मुनव्वर फारूकी रहे। मन्नारा 'भूतमेट' से वेब डेब्यू कर चुकी हैं, जिसमें उन्होंने परी नाम की एक भूतनी का किरदार निभाया। वह जल्द ही एक तेलुगू फिल्म थिरागबदरा सामी' और एक पंजाबी फिल्म में नजर आएंगी।

सोहा अली खान ने बिल गेट्स से की मुलाकात

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस सोहा अली खान ने अमेरिकी बिजनेसमैन और परोपकारी बिल गेटस के साथ एक सुखद मुलाकात का आनंद लिया। सोहा ने सोशल मीडिया पर अपनी मुलाकात की एक झलक शेयर करते हुए गेटस के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। उन्होंने बताया कि उन्होंने गेटस से उनकी किताब सोर्स कोड पर हस्ताक्षर भी करवाए हैं।

उन्होंने कहा, यह मानना कि दुनिया बदतर होती जा रही है, कि हम अत्यधिक गरीबी और बीमारी का समाधान नहीं कर सकते, सिर्फ गलत नहीं है। यह हानिकारक है। सोहा ने कैप्शन में लिखा, किसी समझदार, धनी, उदार, समाधान-उन्मुख और शायद सबसे महत्वपूर्ण रूप से आशावादी व्यक्ति से मिलना और उनकी पुस्तक की अपनी कॉपी पर हस्ताक्षर करवाना बहुत खुशी की बात थी!

गेटस तीन साल में तीसरी बार भारत आए हैं और राजनीति की दुनिया के कुछ प्रभावशाली लोगों से मिल रहे हैं। सोहा ने बुधवार को अपने ताजा वर्कआउट सेशन की एक झलक दिखाते हुए नेटिजन्स को खुश किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें वह हाई-इंटेंसिटी वर्कआउट कर रही हैं। पुश-अप्स से शुरुआत करते हुए, पुश-अप, जंपिंग जैक, एब क्रंच, वन-लेग लंज और ट्रेडमिल रनिंग की। सोहा ने कैप्शन में लिखा, सप्ताह भर जोर लगाते हुए... वर्कआउट वेडनसडे। सोहा समय-समय पर अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फिटनेस के लिए प्रेरणा देती रहती हैं। काम के लिहाज से, सोहा अगली बार नुसरत भरूचा के साथ 'छोरी 2' में नजर आएंगी। विशाल फुरिया के निर्देशन में बनी इस सीक्वल का निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, विक्रम मल्होत्रा और जैक डेविस ने टी-सीरीज, क्रिप्ट टीवी और अबुंदंतिया एंटरटेनमेंट के बैनर तले संयुक्त रूप से किया है। नुसरत के साथ, इस फिल्म में मीता वशिष्ठ, पल्लवी अजय, यानि भारद्वाज, राजेश जैस और सौरभ गोयल भी मूल ड्रामा से अपनी भूमिकाएं दोहराते हुए नजर आएंगे। मुख्य फिल्म 'छोरी' का प्रीमियर 26 नवंबर 2021 को अमेजन प्राइम वीडियो पर हुआ।

राजकुमार राव संग शिरडी पहुंचीं फराह खान, किए साईं बाबा के दर्शन

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म निर्माता-कोरियोग्राफर फराह खान शुक्रवार को मुंबई स्थित साईं बाबा के मंदिर पहुंचीं। फराह के साथ पत्रलेखा, हुमा कुरैशी, राजकुमार राव भी नजर आए। साईं बाबा के दर्शन के बाद फराह खान और राजकुमार राव मीडिया से मुखातिब हुए। फराह ने बताया, मैं बचपन से साईं मंदिर आती रही हूं और यहां आकर बहुत अच्छा लगता है। पिछली बार मैं साजिद के साथ आई थी, मुझे जब भी लगता है कि बाबा का बुलावा आया है, चली आती हूं। साल में एक बार तो दर्शन करने के लिए जरूर आती हूं। फराह ने बाबा संग अपने एक खास लगाव के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, मैं देश में रहूं या विदेश में रहूं, जब भी भगवान से कुछ मांगती हूं या उनसे मिन्नत करती हूं कि मेरी मुराद पूरी कर दो, मैं आपके द्वार आऊंगी, तो वह पूरी जरूर करते हैं। मेरी बाबा पर खूब श्रद्धा है।

माथे पर पीला तिलक लगाए और हाथ में प्रसाद के रूप में मिले फूल को लेकर भक्ति में डूबे दिखे अभिनेता राजकुमार राव ने दर्शन करने के अपने अनुभव पर रोशनी डाली।

उन्होंने कहा, बाबा का दर्शन करने के बाद बहुत अच्छी अनुभूति होती है। जब मैं बाबा के सामने खड़ा रहता हूं तो जो महसूस होता है, उसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता। सामने आए एक वीडियो में फराह खान, राजकुमार राव के साथ हुमा कुरैशी और पत्रलेखा भी नजर आईं। राजकुमार राव के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही वामिका गब्बी के साथ कॉमेडी-ड्रामा 'भूल चूक माफ' में नजर आएंगे, जिसका टीजर हाल ही में निर्माताओं ने जारी किया है। टाइम लूप पर बनी फिल्म में राजकुमार राव और वामिका गब्बी की शादी 29 और 30 के चक्कर में फंसी जाती है। 'भूल चूक माफ' का निर्देशन करण शर्मा ने किया है। वहीं, फिल्म के निर्माता दिनेश विजान हैं। फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मुलाकात

अभिनेत्री हेमा मालिनी ने शुक्रवार को ऋषिकेश में पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती से मुलाकात की।

फिल्म 'कांस्य' का 'सिनेवेश्चर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल' में होगा प्रदर्शन

मुंबई/एजेन्सी

निर्देशक आदित्य वॉटस की फिल्म कांस्य का सिनेवेश्वर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शन होगा। सिनेवेश्वर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का आयोजन 20 से 23 मार्च के दौरान चंडीगढ़ में आयोजित हो रहा है। फिल्म कांस्य विलियम शेक्सपीयर के प्रसिद्ध नाटक ट्रोइलस एंड क्रेसिडा का भारतीय रूपांतर है और इसे हरियाणा के पारंपरिक कुश्ती समाज में स्थापित किया गया है। फिल्म कांस्य की कहानी सोनम पर आधारित है जो एक अखाड़ा मालिक की पत्नी है। सोनम अपने दुश्मन परिवार के रणबीर नामक लड़के के साथ भाग जाती है, जिसकी वजह से दोनों परिवारों का पुराना झगड़ा और तनाव फिर से शुरू हो जाता है। फिल्म में वरुण भगत, लक्ष्य गोयल, कृतिका पांडे और साहिल सेठी ने मुख्य भूमिकाएँ निभायीं हैं।यह फिल्म आदित्य की बतौर निर्देशक पहली फीचर फिल्म है और इसकी पटकथा उन्होंने आदित्य डबास के साथ मिलकर लिखी है। फिल्म 'कांस्य' के निर्माण में आदित्य और उनकी टीम को चार साल लगे, जिस दौरान उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। यह फिल्म 2024 में स्पेन के प्रसिद्ध गिरोना फिल्म फेस्टिवल में भी प्रदर्शित हुई थी।

सिनेवेश्वर अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में 'कांस्य' के प्रदर्शन पर खुशी जताते हुए निर्देशक आदित्य वॉटस ने कहा, मैंने पहली बार ट्रोइलस एंड क्रेसिडा पढ़ी, तो इसमें मौजूद मानवीय इच्छाओं और संघर्षों की सच्चाई ने मुझे बहुत प्रभावित किया। इसे हरियाणा की कुश्ती समाज में स्थापित करने से मुझे इन विषयों को भारतीय दृष्टिकोण से देखने का मौका मिला। यह मेरे लिए गर्व की बात है कि कांस्य का प्रदर्शन सिनेवेश्वर अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में होगा, जहाँ कई प्रतिभाशाली निर्देशकों की फिल्में भी प्रदर्शित की जाएँगी।

तमन्ना भाटिया ने नेपोटिज्म पर खुलकर की बात

मुंबई/एजेन्सी

जी सिने अवॉर्ड्स 2025 प्रेस कॉन्फ्रेंस में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने नेपोटिज्म पर चल रही बहस पर खुलकर बात की। 'बाहरी' और 'नेपो किड्स' के बीच अभिनेत्री ने खुद को 'फैन मेड' बताया। इंडस्ट्री में अपने सफर पर प्रकाश डालते हुए तमन्ना ने लोगों को उनकी पृष्ठभूमि के आधार पर दिए जाने वाले लेबल पर सवाल उठाया और कहा, वे मेरे जैसे लोगों को क्या कहते हैं? उन्होंने बताया कि फिल्मी बैकग्राउंड वालों को नेपो किड्स कहा जाता है और गैर-फिल्मी लोगों को अक्सर बाहरी कहा जाता है। जबकि उनके जैसे कलाकारों को फैन-मेड कहा जाता है। मीडिया से बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने कहा, वे मेरे जैसे लोगों को क्या कहते हैं? फिल्मी बैकग्राउंड वाले लोगों को नेपो किड्स कहा जाता है और बाहर से आने वालों को बाहरी कहा जाता है। तो, वे मेरे जैसे लोगों को क्या कहते हैं? मुझे लगता है, वे हमें 'फैन-मेड' कहते हैं। जी सिने अवॉर्ड्स के बारे में तमन्ना ने कहा, यह साल की शुरुआत है, लेकिन यह पहले से ही रचनात्मक रूप से रोमांचक रहा है। कुछ अलग हटकर किरदार निभाना, रूढ़ियों को तोड़ना इनके साथ साथ की शुरुआत शानदार रही। इन सबके बीच, मेरे प्रशंसकों का प्यार मेरी सबसे बड़ी ताकत रहा है। जी सिने अवॉर्ड्स में कलाकारों और उनके प्रशंसकों के बीच इस बंधन का जश्न मनाता है।

23वें जी सिने अवॉर्ड्स 2025 प्रेस कॉन्फ्रेंस में कार्तिक आर्यन, तमन्ना, जैकलीन फर्नांडीज और वाणी कपूर जैसी हस्तियां शामिल हुईं। कार्तिक आर्यन ने बताया, यह साल मेरी सीमाओं को आगे बढ़ाने के बारे में रहा है - चाहे वह बायोपिक हो या हॉरर और कॉमेडी जैसी शैलियों की खोज हो। मैं जो भी भूमिका निभाता हूं, वह मेरे दर्शकों और प्रशंसकों से जुड़ने का एक मौका है और उनका प्यार मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा है। जी सिने अवॉर्ड्स की फैनटरटेनमेंट थीम खास है, क्योंकि यह इस कनेक्शन का जश्न मनाती है, जहां प्रशंसक सिर्फ सिनेमा नहीं देखते, बल्कि हमारे साथ इसे जीते हैं। मैं यहां आकर और इस खूबसूरत बंधन का जश्न मनाकर उत्साहित हूं।

वाणी कपूर ने कहा, मैं अपने प्रशंसकों और दर्शकों से मिले प्यार और समर्थन के लिए आभारी हूं। आने वाले साल में रोमांच से भरपूर इस साल में मैं अपने दर्शकों को कुछ खास देने के लिए उत्सुक हूं। 23वें जी सिने अवॉर्ड्स 2025 का भव्य और सितारों से भरा आयोजन 17 मई को मुंबई में होगा। इस शानदार कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया जाएगा और जल्द ही इसका प्रीमियर जी सिनेमा, जी टीवी और जी5 पर होगा।

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के बोगादि क्षेत्र स्थित शीतला माता मंदिर परिसर में गुरुवार रात्रि को बोगादि व्यापारी संघ के सदस्यों ने एक शाम शीतला माता के नाम' भजन संध्या का आयोजन किया गया।

समाज को बांटने की नहीं, जोड़ने की कोशिश करनी चाहिए : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

आज वर्षीतप दिवस पर होगा विशेष विधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन श्वेतांबर संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में शुक्रवार को आयोजित प्रवचन में जैनाचार्यश्री विमलसागरसूरीजी ने कहा कि भ्रष्टता सीखनी नहीं पड़ती, सदाचार और संस्कार सीखने पड़ते हैं। एक परिवार को पचास वर्ष तक चलाना भी सरल नहीं होता तो धर्म और परंपराओं को सदियों-सदियों तक उज्ज्वलता के साथ गतिशील रखना तो अत्यंत कठिन है, इसलिए बलिदान देने की इच्छाशक्ति जगानी चाहिए। समाज को बांटने की नहीं जोड़ने की कोशिश करनी चाहिए। सिर्फ नाम के नहीं, काम के भक्त बनना चाहिए। विवादों से कोई लाभ नहीं है, संवाद में विश्वास करना चाहिए। जब ऐसा करेंगे तब धर्म का गौरव बढ़ेगा और महान परंपराएं जीवंत रहेंगी।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मनुष्य के जीवन पर धर्म और परंपराओं के बेहद उपकार हैं। कोई भी समझदार व्यक्ति उन्हें नकार नहीं सकता। आज हम सिर्फ अपनी इच्छाशक्ति और परिवार की बदौलत ही उजले नहीं हैं, हमारी सफलता, श्रेष्ठता, शाकाहारी जीवनशैली और सुसंस्कारों की विरासत में धर्म और परंपरा का सर्वाधिक योगदान हैं।इसलिए धर्म और परंपराओं को कोसने की आदत छोड़नी होगी, गौरव की अनुभूति करना सीखना होगा। इतिहास को पढ़ने और उसकी शिक्षाओं को ग्रहण करने की मनोवृत्ति बनानी होगी। जीवन में चमत्कार या परिवर्तन रातोंरात नहीं हो जाते, धर्म और उज्ज्वल परंपराओं के प्रति निष्ठाभावना तथा समर्पण की भूमिका अपनाकर बोध प्राप्त करने में कई-कई पीढ़ियों का बलिदान लग जाता हैं, तब उज्ज्वल परिवार और श्रेष्ठ समाज नसीब होते हैं। शुक्रवार को सुबह चामराजपेट से पदयात्रा कर आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी, गणि पद्मविमलसागरजी और सहवर्ती संतगण राजाजी नगर पहुंचे। शंखेश्वर जिनालय में सामूहिक चैत्यवंदना हुई। संघ के पदाधिकारी जयंतीभाई शाह, पंकज मेहता और मिलन सेठ ने बताया कि शनिवार को प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ के जन्म और दीक्षा कल्याणक के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। प्रवचन के बाद जिनालय में वर्षीतप दिवस के उपलक्ष्य में वर्षीतप के साधकों के लिए नाणविधि होगी।

मैसूरु की राजस्थानी महिलाओं में शीतला माता पूजा का विशेष उत्साह दिखा

एक शाम शीतला माता के नाम भजन संध्या आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के बोगादि क्षेत्र स्थित शीतला माता मंदिर परिसर में गुरुवार रात्रि को बोगादि व्यापारी संघ के सदस्यों ने एक शाम शीतला माता के नाम' भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें भक्तों द्वारा माता की विशेष पूजा की गई। देर रात्रि तक चली भजन संध्या में भजन कलाकार राजूराम पटेल एवं टीम ने भजनों की प्रस्तुति दी। उनके राजस्थानी लोकभजन 'ऊंचा नीचा मां शीतलाजी रा महल...., रमता पधारो देवी आंगणे ओ आज...., बीरा करलो कर लो जोगमाया ने याद, आईजी सर्वोदय अपणे आविया ओ आज'..., झालर शंख नगाड़ा बाजे, सालासर रे मंदिर में हनुमान विराजे..., जैसे भजनों की मधुर प्रस्तुति देकर सभागार को भक्तिमय बनाया। इस मौके पर बड़ी संख्या में पुरुष महिला श्रद्धालु उपस्थित थे।

दूसरे दिन शुक्रवार को राजस्थानी महिलाओं ने मंदिर में मां शीतला की पूजा कर ठंडे पकवानों का भोग लगाया।

शीतला माता मंदिर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शुक्रवार को मैसूरु में अल्लसुबह से जेपी नगर स्थित शीतला माता मंदिर में सुहागिन महिलाएं अपने हाथों में पूजा की थाली एवं घर पर बनाए गए मिष्ठान आदि लेकर शीतला माता को भोग लगाने के लिए पहुंचीं। महिलाओं ने शीतला माता की पूजा कर अपने परिवार की खुशहाली की कामना की।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हुब्बल्ली में दक्षिण पश्चिम रेलवे की जिला रेलवे उपभोक्ता सलाहकार समिति (जेडआरयूसीसी) के पूर्व सदस्य बाबूलाल जैन ने दपरे के महाप्रबंधक मुकुल सरण माथुर से मुलाकात कर उनका सम्मान किया। इसके अलावा प्रधान मुख्य ऑपरेशन प्रबंधक प्रशांतकुमार, महाप्रबंधक सचिव सुनीलकुमार, समिति सदस्य जीके आदप्पागौड़ा, पूर्व सदस्य भंवरलाल जैन भी उपस्थित थे। बाबूलाल ने बताया कि इस मौके पर प्रशांतकुमार ने आश्वासन दिया कि शीघ्र ही बेलगावी-हैदराबाद के लिए नई ट्रेन तथा बेंगलूरु से भगत की कोठी तक चलने वाली ट्रेन संख्या 06533/34 को विस्तार दिया जाएगा।

पैलेस ग्राउंड किंग्स कोर्ट सभागार में बिहार स्थापना दिवस समारोह आज

अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय राजेन्द्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट व सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद के तत्वावधान में समस्त बिहारी समाज व विविध भाषिक भाजपा प्रकोष्ठ के सहयोग से शनिवार को शाम 4 बजे पैलेस ग्राउंड स्थित किंग्स कोर्ट सभागार में बिहार स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया है। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में कर्नाटक के भाजपा अध्यक्ष एवं भाजपा विधायक विजयेंद्र येड्डीयुरप्पा, कर्नाटक राज्य की भाजपा उपाध्यक्ष शोभा करंदलाजे तथा बिहार-नवादा के सांसद विवेक ठाकुर शामिल होंगे। इस समारों में प्रसिद्ध गजल गायक कुमार सत्यम एवं लोक प्रसिद्ध गायक रघुपति झा द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। इस समारोह के कार्यक्रम अध्यक्ष उदयकुमार, कर्नाटक के विविध भाषिक प्रकोष्ठ भाजपा के सहसंयोजक सनी राज, कार्यक्रम संयोजक हरिश्चंद्र झा, डॉक्टर आशुतोष कुमार, परिषद के अध्यक्ष एसके उपाध्याय एवं सचिव पंडित राजगुरु सहित बिहार समुदाय के अनेक युवा इस आयोजन की तैयारियों में जुटे हुए हैं। कार्यक्रम अध्यक्ष उदयकुमार ने शहर के निवासित सभी बिहार प्रवासियों को कार्यक्रम में शामिल होने का निवेदन किया है।

बिसलू मारम्मा मंदिर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

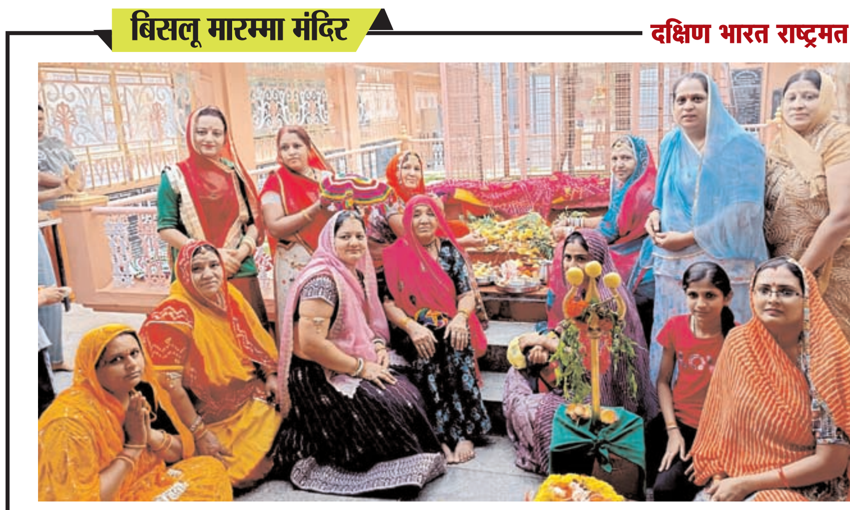

मैसूरु के जनता नगर स्थित बिसलू मारम्मा मंदिर के प्रांगण में शुक्रवार के दिन अलसुबह राजस्थानी महिलाओं ने शीतला माता की पूजा कर मंगल गीत गाए और माता को ठंडे पकवान अर्पण किए।

जल संरक्षण के विषय पर बीजेएस महिला घटक ने आयोजित की कार्यशाला

मैसूरु/दक्षिण भारत। भारतीय जैन संगठना(बीजेएस) लेडीज विंग मैसूरु चैप्टर के तत्वावधान में राजुल बहू मंडल की ओर से विश्व जल दिवस के उपलक्ष्य में 'अंजलि' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें प्रशिक्षक व पर्यावरणविद् यूएन रविशंकर तथा सहप्रशिक्षक राजेश संचेती, शर्मिला धोका ने वर्षा जल संचय के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षक रविशंकर ने राजस्थान में जल संचय के तरीकों व समस्या के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में सरकार व स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा जनहित योजनाओं के तहत वर्षा जल भंडारण हेतु घर तथा खेतों में टांके (जलाशय) बनाए जा रहे हैं।

शर्मिला धोका ने कहा कि पानी की बचत व संरक्षण हेतु बच्चों को जागरूक करने की आवश्यकता है। इस मौके पर बीजेएस मैसूरु चैप्टर के अध्यक्ष राजन बाघमार, मुख्यसचिव दीपक बोहरा, आईपीपी प्रवीण लुंकड़, कर्नाटक सचिव प्रकाश गुलेच्छा, क्षेत्रीय अध्यक्ष सुखराज विनायकिया, चंदन महिला मंडल की अध्यक्ष प्रेमबाई मकाना, राजूल बहु मंडल की अध्यक्ष उषाबाई गांधी सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

रमेशचन्द बने सिरोही जैन संघ के अध्यक्ष, राजेश बने सचिव

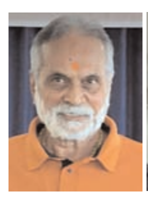

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय सिरोही जैन संघ की गुरुवार को हुई बैठक में वर्ष 2025-27 के लिए नई कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया जिसमें संघवी रमेशचन्द सिंघवी को अध्यक्ष व राजेश कोठारी को सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा मनीष हरण को उपाध्यक्ष, अशोक हरण को सहसचिव, मनीष बाफना को कोषाध्यक्ष बनाया गया तथा चंद्रकांत तातेड़, आनंद शाह, कुलदीप बाफना, सन्नी कांगटाणी, दिलीप भंडारी व अभिषेक कोठारी को समिति में शामिल किया गया है।

मारम्मादेवी मंदिर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु के बन्नूर ग्राम स्थित मारम्मादेवी मंदिर के प्रांगण में शुक्रवार के दिन राजस्थानी समुदाय की महिलाओं ने शीतला माता की पूजा अर्चना कर ठंडे पकवानों का भोग लगाया।

बेंगलूरु-कलबुर्गी के बीच विशेष एक्सप्रेस ट्रेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने आगामी उगादी और रमजान त्योहारों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए, रेलवे बोर्ड ने सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल, बेंगलूरु और कलबुर्गी के बीच एक-ट्रिप विशेष एक्सप्रेस ट्रेन के संचालन को मंजूरी दे दी है। ट्रेन संख्या 06519 एसएमवीटी बेंगलूरु-कलबुर्गी एक्सप्रेस स्पेशल 28 मार्च, 2025 को एसएमवीटी बेंगलूरु से रात 9:15 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 07:40 बजे कलबुर्गी पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 06520 कलबुर्गी-एसएमवीटी बेंगलूरु एक्सप्रेस स्पेशल 29 मार्च, 2025 को सुबह 9:35 बजे कलबुर्गी से रवाना होगी और उसी दिन रात 8:00 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु पहुंचेगी। मार्ग में, ट्रेन दोनों दिशाओं में यलहंका, धर्मावरम, अनंतपुर, गुंटकल, अदोनी, मंत्रालयम रोड, रायचूर, कृष्णा, यादगीर और शाहाबाद स्टेशनों पर रुकेगी।

ट्रेन में 19 कोच होंगे, जिनमें 1-एसी टू टियर, 1-एसी थ्री टियर, 11 स्लीपर क्लास, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 एसएलआर/डी कोच शामिल हैं। आरक्षण, आगमन और प्रस्थान समय और अन्य जानकारी के लिए, यात्री आधिकारिक रेलवे वेबसाइट पर जा सकते हैं या निकटतम रेलवे बुकिंग काउंटर से संपर्क कर सकते हैं।

राजभाषा हिन्दी का प्रयोग हम सबका संवैधानिक दायित्व है : चिकित्सा अधीक्षक

पीनिया कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल में आयोजित हुई हिन्दी कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल पीनिया में कर्मचारियों को हिंदी में अधिक से अधिक कार्यालयीन कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक दिवसीय पूर्णकालिक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वीणा कुमारी ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस मौके पर उप निदेशक (राजभाषा प्रभारी) सुभाषचंद्र लाल तथा उपनिदेशक (प्रशासन) प्रियरंजन उपस्थित थे। इस मौके पर डॉ वीणाकुमारी ने सभी का हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि कर्नाटक में हम सभी हिंदी जानते हैं क्योंकि ज्यादातर लोगों ने हिंदी को तृतीय भाषा के रूप में दसवीं कक्षा में पढ़ा है, लेकिन कार्यालय में हिंदी में कार्य करने में हमें झिझक होती है । इस झिझक को हमें तोड़ना होगा तभी हम भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति कर सकते हैं।

राजभाषा का प्रयोग हम सबका संवैधानिक दायित्व है। उन्होंने यह भी कहा कि हमें अपने आपको कम नहीं समझना चाहिए। हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया गया है लेकिन इसे किसी पर भी थोपा नहीं जा रहा है तथा सरकारी कार्यालयों में राजभाषा में कार्य करने की हम सबकी जिम्मेदारी है। कार्यशाला में राजभाषा की संवैधानिक स्थिति, कंप्यूटर पर हिंदी में काम करने के विकल्प, राजभाषा की रिपोर्ट से संबंधित आंकड़ों की महत्ता, रिपोर्ट तैयार करने के साथ-साथ, नेमी टिप्पणियों तथा प्रशासनिक शब्दावली पर अभ्यास कराया गया । प्रतिभागियों को हिंदी में टंकण करने तथा टंकण में गति बढ़ाने के गुर भी सिखाए गए। समापन समारोह में चिकित्सा अधीक्षक डॉ वीणा ने कहा कि हिंदी में काम की शुरुआत जरूर करनी चाहिए चाहे थोड़े से ही सही । एक शब्द से बढ़कर एक वाक्य और उसके बाद काफी काम आप हिंदी में कर सकते हैं। अगर दिल से हम हिंदी में कार्य करना शुरू करें तो यह बहुत ही आसान बन जाता है। कार्यक्रम का संचालन अनुवादक कैलाशचंद शर्मा ने किया।

स्वस्थ व्यक्ति ही सुखी व समृद्ध होता है : साध्वीश्री संयमलता

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर एवं डेंटल केयर श्रीरामपुरम में शुक्रवार को साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में 'हेल्थ इज वेल्थ' कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर साध्वीश्री ने कहा कि जीवन को मस्त व जबरदस्त बनाने का माध्यम है स्वास्थ्य। स्वस्थ व्यक्ति ही सुखी व समृद्ध होता है, स्वस्थ रहने हेतु हमारा आहार शुद्ध हो, सात्विक हो, जंक व फास्ट फूड से बचने का प्रयास करना चाहिए्। इसके साथ ही आचार विचार शुद्ध रखते हुए जीवन को कल्याण मार्ग की ओर प्रशस्त करें्। साध्वी मार्दवश्रीजी ने कार्यशाला का संचालन करते हुए कहा कि स्वस्थ जीवन की सफलता का प्रथम सोपान है। अनेक महान व्यक्तियों ने हेल्थ को प्राथमिकता देते हुए वेल्थ को बनाया है। हमेशा आहार का ध्यान रखें्। हेल्थ को ही हमारे जीवन की पूंजी बनाए रखें्। तेयुप राजाजीनागर के राजेश देरासरिया ने एटीडीसी श्रीरामपुरम के बारे में जानकाीी दी। इस अवसर पर राजाजीनागर सभा के अध्यक्ष अशोक चौधरी, महिला मंडल अध्यक्षा उषा चौधरी, विजयनगर तेयुप के अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, पूर्व अध्यक्ष राकेश पोखरना, मंत्री संजय भटेवरा, राजाजीनगर तेयुप के अध्यक्ष कमलेश चोरड़िया आदि उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आस्टिन टाउन

बेंगलूरु के आस्टिन टाउन स्थित शीतला माता मंदिर में राजस्थानी महिलाओं ने शीतला माता की विधिवत भावपूर्ण पूजा की तथा सभी महिलाओं ने परिवार के सदस्यों के मंगल स्वास्थ्य की कामना की।

कल होने वाले बिड़दी हाफ मैराथन-2025 के लिए मेट्रो सेवाओं सुबह 5 बजे से

बेंगलूरु। बिड़दी में होने जा रही बिड़दी हॉफ मैराथन के मद्देनजर नम्मा मेट्रो के सभी चार टर्मिनलों से मेट्रो ट्रेन सेवा 23 मार्च को सुबह 7 बजे की बजाय 5 बजे शुरु होंगी। हालांकि, मैराथन में बड़ी संख्या में भाग लेने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए नादप्रभु केम्पेगौड़ा स्टेशन से मैजेस्टिक से चल्लघट्टा तक ट्रेन सेवाएं सुबह 4 बजे शुरु होंगी।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com